■ ज्येष्ठ शुक्ल - 13 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 309 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 08-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राष्ट्र का गौरव है हल्दीघाटी की मिट्टी : हरिभाऊ बागड़े

6 मेजर दिग्विजय सिंह रावत : खुफिया नेटवर्क बिछाकर तोड़ी उग्रवादी समूहों की कमर

7 खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं : मनीषा कोइराला

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु भगदड़: एक सदस्यीय जांच आयोग गठित

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में गठित एक सदस्यीय जांच आयोग को चार जून को बेंगलूरु में हुई भगदड़ की जांच सौंपी गई है। आयोग को इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए कहा गया है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। सरकार की ओर से आयोग को सौंपे गए कार्य से जुड़ी शर्तों के अनुसार, आयोग को अन्य बातों के अलावा ऐसे एहतियाती उपाय भी सुझाने हैं जिसे भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

चौथी मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए 10 जून को रवाना होंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य 10 जून को फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से एक्सिओम स्पेस की चौथी मानव अंतरिक्ष उड़ान पर रवाना होंगे और लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद 11 जून को भारतीय समयानुसार रात लगभग 10 बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने की संभावना है। एक्सिओम-4 मिशन के पायलट शुक्ला के अलावा, अन्य चालक दल में पोलैंड से स्लावोस्ज उजनांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी से टिबोर कापू और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन शामिल हैं। इस प्रक्षेपण के साथ ही शुक्ला लगभग चार दशक बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे। राकेश शर्मा ने 1984 में रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा की थी।

ट्रंप पर हमला बोलकर मस्क 'बड़ी गलती' कर रहे : जेडी वेंस

ब्रिजवॉटर/एपी। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि एलन मस्क आपसी विवाद के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सोशल मीडिया पर कटु और भड़काऊ पोस्ट लिखकर 'बड़ी गलती' कर रहे हैं। लेकिन दुनिया के सबसे अमीर आदमी और यकीनन दुनिया के सबसे ताकतवर व्यक्ति के बीच सार्वजनिक विवाद के बाद शुक्रवार को जारी एक साक्षात्कार में उपराष्ट्रपति ने मस्क के तीखे हमलों को कमतर करके आंकने की कोशिश की और उन्हें एक 'भावनात्मक व्यक्ति' करार दिया जो निराश हो गया है। वेंस ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि आखिरकार एलन वापस आ जाएंगे। हो सकता है कि यह अभी संभव नहीं हो क्योंकि वह बहुत आक्रोशित हो गए हैं।''

08-06-2025 सूर्यास्त 6:34 बजे	09-06-2025 सूर्योदय 5:41 बजे
BSE 82,188.99 (+746.95)	NSE 25,003.05 (+252.15)
सोना 10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बीमार बैंक

चौकस ना रहे बैंक वाले,
चौकसी ले गए धन उधार।
बाजार छा गई नीरवता,
नीरव बिन रव के हैं फरार।
कर रहे मौज मेहुल मोदी,
गुरुवर माल्या के पद पखार।
ऊँचे लोगों के चक्कर में,
हो रहे बैंक नित ही शिकार।।

ग्रामीण युवाओं को कृषि उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को ग्रामीण युवाओं को सशक्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि वे भारत की कृषि अर्थव्यवस्था में परिवर्तन लाने का जरिया बन सकें।

हिमाचल प्रदेश के सोलन में डॉ. वाई एस परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के अपने दौरे के दौरान छात्रों, शिक्षकों और शोधार्थियों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने किसानों को सीधे सब्सिडी देने का आह्वान किया तथा दावा किया कि इससे उनकी वार्षिक आय 30,000 रुपए तक बढ़ जाएगी।

धनखड़ ने कहा कि उर्वरकों, बीजों और अन्य कृषि लागत पर अप्रत्यक्ष सब्सिडी देने के बजाय किसानों को सीधे मौद्रिक सहायता मिलनी चाहिए, जिससे उन्हें उर्वरक खरीदने या प्राकृतिक खेती का विकल्प चुनने का विकल्प मिलेगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में किसान परिवार की आय उस देश के औसत परिवार की आय से अधिक है, क्योंकि किसानों को सीधे सरकारी सहायता मिलती है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि इस राशि को मुद्रास्फीति के साथ जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सम्मान निधि की तरह अन्य सभी सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा की जानी चाहिए, जो काफी फायदेमंद होगा।

छात्रों को अपने कृषक परिवारों में परिवर्तन का अग्रदूत बनने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आप जैसे लड़के और लड़कियों को अपने परिवारों को उपज के विपणन में आगे आने के लिए प्रेरित करना चाहिए।''

उन्होंने कृषि उत्पादन और बाजार पहुंच के बीच के अंतराल को पाटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि कृषि पृष्ठभूमि वाले ग्रामीण युवाओं को ''उद्यमी और कृषि उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए'' तथा उन्हें भारत की विशाल लेकिन ''कम उपयोग की गयी'' कृषि अर्थव्यवस्था में ''परिवर्तन का साधन'' बनने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए।

धनखड़ ने इस क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसान न केवल ''अन्नदाता'' हैं, बल्कि ''भाग्य विधाता'' भी हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का रास्ता किसानों के खेतों से होकर जाता है।

भारत अपने सहयोगी देशों से यह अपेक्षा करता है कि

आतंकवाद को कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति को समझे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ व्यापक वार्ता के दौरान शनिवार को कहा कि भारत अपने सहयोगी देशों से यह अपेक्षा करता है कि वे उसकी आतंकवाद को कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति को समझे। साथ ही भारत कभी भी 'अपराध करने वालों' को पीड़ितों के समकक्ष रखने को स्वीकार नहीं करेगा।

जयशंकर की यह टिप्पणी उस पृष्ठभूमि में आई है जब पिछले माह भारत और पाकिस्तान के बीच हुए चार दिन के सैन्य संघर्ष के बाद कई देशों द्वारा दोनों को एक ही तराजू पर तौलने को लेकर नई दिल्ली में असहजता महसूस की जा रही है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी वैश्विक समुदाय को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास प्रतीत होती है।

लैमी दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर आज सुबह नई दिल्ली पहुंचे।

ब्रिटेन की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर्थिक और प्रवासन संबंधों को मजबूत करना तथा ब्रिटिश व्यवसायों के लिए और अधिक विकास के अवसर प्रदान करना, ब्रिटेन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा की शीर्ष प्राथमिकता होगी।

जयशंकर के साथ वार्ता करने से पहले, ब्रिटिश विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

लैमी के साथ बैठक के दौरान टेलीविज़न पर प्रसारित अपने संबोधन में जयशंकर ने बर्बर पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करने के लिए ब्रिटेन का आभार व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में लंदन द्वारा दिखाई गई एकजुटता और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का अनुसरण करते हैं और अपने सहयोगी देशों से अपेक्षा करते हैं कि वे इसे समझे। साथ ही, हम कभी भी अपराधियों को पीड़ितों के समकक्ष रखने को स्वीकार नहीं करेंगे।

माना जाता है कि भारतीय पक्ष ने पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाले सीमापार आतंकवाद से निपटने की अपनी चुनौती को स्पष्ट किया।

समग्र शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना: एनएचआरसी प्रमुख

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन ने कहा कि समग्र शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के चरित्र को आकार देना और छात्र को आत्मनिर्भर बनाना है।

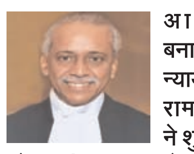

न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन ने शुक्रवार शाम को यहां शिक्षा 'ओ' अनुसंधान (मानद विश्वविद्यालय)में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो विद्यार्थी को चरित्र, मानसिक शक्ति और बुद्धि से सुसज्जित कर सके। उन्होंने कहा, ''शिक्षा को विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना चाहिए, साथ ही उसकी बुद्धि का विकास करना चाहिए, मानसिक शक्ति बढ़ानी चाहिए तथा उसे अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम बनाना चाहिए।'' एनएचआरसी के अध्यक्ष ने कहा कि आजकल अधिकांश छात्र शिकायत करते हैं कि वे ''तनावग्रस्त रहते हैं'', यह एक ऐसा शब्द है, जो 40 साल पहले शायद ही कभी सुना जाता था। उन्होंने कहा कि इसका केवल इतना तात्पर्य है कि वर्तमान पीढ़ी को इतना लाड़-प्यार दिया गया है कि वे किसी भी समस्या का सामना करने में असमर्थ हैं। न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन ने कहा, ''यह बताता है कि अच्छी शिक्षा और जरूरत की हर चीज उपलब्ध होने के बावजूद हम खुशहाल जीवन क्यों नहीं जी सकते।''

महाराष्ट्र चुनाव में

'मैच फिक्सिंग' का राहुल गांधी ने दावा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में दावा किया, ''महाराष्ट्र की यह ''मैच फिक्सिंग'' अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां भाजपा हार रही होगी।''**

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट'' था। उन्होंने कहा कि यह ''मैच फिक्सिंग'' अब बिहार में भी दोहराई जाएगी और फिर उन जगहों पर भी ऐसा ही किया जाएगा, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हार रही होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ''मैच फिक्स'' किए गए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं। उन्होंने कहा कि जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वो भले ही जीत जाए, लेकिन इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर गांधी ने चुनाव में कथित अनियमितता के बारे में चरणबद्ध तरीके से बताया है कि कैसे मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा गया, मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया, फर्जी मतदान कराया गया और बाद में सबूतों को छिपा दिया गया।

गांधी ने 'दैनिक जागरण' और 'द इंडियन एक्सप्रेस' अखबार में प्रकाशित लेख की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''चुनाव की चोरी का पूरा खेल! 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट था।'' उन्होंने लिखा, ''मैंने अपने लेख में चरण दर चरण विस्तार से बताया है कि कैसे यह साजिश रची गई : चरण 1: निर्वाचन आयोग की नियुक्ति करने वाली समिति पर कब्जा किया गया। चरण 2: फर्जी मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। चरण 3: मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया। चरण 4: जहां भाजपा को जिताना था, वहां लक्षित करके फर्जी मतदान कराया गया। चरण 5: सबूतों को छिपा दिया गया।''

गांधी ने कहा, ''ये समझना बिल्कुल मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी बौखलाई हुई क्यों थी। चुनाव में धांधली भी मैच फिक्सिंग की तरह होती है, जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वो भले ही जीत जाए, लेकिन इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है। हर जिम्मेदार नागरिक को सबूतों को खुद देखना चाहिए, सच्चाई समझनी चाहिए और जवाब मांगने चाहिए।''

'अनुकूल चुनाव परिणाम नहीं मिलने पर निर्वाचन आयोग को बदनाम करना बेतुका काम'

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र में पिछले साल हुये विधानसभा चुनाव में धांधली के दावों को खारिज करते हुए निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि मतदाताओं से अनुकूल चुनाव परिणाम नहीं मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना पूरी तरह बेतुका काम है।

चुनाव आयोग के सूत्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस लेख पर जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' का आरोप लगाया है।

सूत्रों ने कहा कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोड़ने वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अनादर है।

चीन ने पाकिस्तान को अत्याधुनिक विमान और मिसाइल रक्षा प्रणाली देने की पेशकश की

बीजिंग/इस्लामाबाद/भाषा। चीन और पाकिस्तान के बीच सैन्य संबंधों को और मजबूत करते हुए बीजिंग ने इस्लामाबाद को अपने उन्नत जे-35 स्टील्थ विमानों के साथ-साथ अपने केजे-500 एडब्ल्यूएसीएस और एचक्यू-19 मिसाइल रक्षा प्रणालियों की पेशकश की है।

संघीय सरकार द्वारा अपने आधिकारिक एक्स/ट्विटर अकाउंट पर साझा की गई जानकारी के अनुसार चीनी सरकार ने 40 जे-35 स्टील्थ विमान, केजे-500 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एडब्ल्यूएसीएस) सिस्टम और एचक्यू-19 मिसाइल रक्षा प्रणाली की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। समा टीवी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

रूसी ड्रोन, मिसाइलों ने यूक्रेन के पूर्वी शहर खारकीव को निशाना बनाया

■ **रूसी बमबारी में घातक हवाई 'ग्लाइड बम' भी इस्तेमाल किए गए।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के खारकीव शहर को निशाना बनाकर शनिवार को ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

रूसी बमबारी में घातक हवाई 'ग्लाइड बम' भी इस्तेमाल किए गए।

यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने 215 मिसाइल और ड्रोन से हमले किए तथा यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली ने 87 ड्रोन और सात मिसाइल को मार गिराया एवं उन्हें निष्क्रिय कर दिया।

यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यूक्रेन के कई अन्य क्षेत्र भी प्रभावित हुए हैं, जिनमें दोनेत्स्क, द्निप्रोपेत्रोव्स्क, ओदेसा और तेरनोपिल शहर शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''रूस द्वारा की जा रही हत्याओं और विनाश को रोकने के लिए मॉस्को पर अधिक दबाव बनाने की आवश्यकता है तथा यूक्रेन को मजबूत करने के लिए और अधिक कदम उठाने की भी आवश्यकता है।''

इन हमलों को लेकर रूस ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

खारकीव के मेयर इगोर तेरेखोव ने बताया कि हमले में 18 अपार्टमेंट इमारत और 13 आवास क्षतिग्रस्त हुए हैं।

केदारनाथ जा रहे हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में राजमार्ग पर उतारा गया, सभी यात्री सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड के केदारनाथ जा रहे एक हेलीकॉप्टर में शनिवार को तकनीकी खराबी आने के बाद उसे रुद्रप्रयाग जिले में राजमार्ग पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा, जिससे उसमें सवार पांच तीर्थयात्री और एक पायलट बाल-बाल बच गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मामूली रूप से घायल हुए पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में देखा जा सकता है कि केस्ट्रेल एविएशन का हेलीकॉप्टर राजमार्ग के बीच में खड़ा है और यह रिहायशी इमारतों के बहुत करीब था तथा उसके 'टेल रोटर' से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने बड़ासू हेलीपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के कारण इसे आपात स्थिति में सिरसी के निकट राजमार्ग पर उतारना पड़ा। उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में पायलट समेत छह लोग सवार थे और वे बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब लोगों ने हेलीकॉप्टर को हवा में असंतुलित होकर सड़क पर आपात स्थिति में उतरते हुए देखा, तो वे डर गए।

केदारनाथ हेली सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि इस घटना से केदारनाथ मंदिर के लिए हेली शटल सेवा प्रभावित नहीं हुई है।

हेलीकॉप्टर को राजमार्ग से हटाने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस ने सड़क मार्ग से केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे जहां हैं वहीं रुक जायें, क्योंकि राजमार्ग से हेलीकॉप्टर को हटाने में कुछ समय लग सकता है।

किडनी मरीज की उड़ान छूटी

शिंदे ने अपने चार्टर्ड विमान से अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए किडनी प्रत्यारोपण की जरूरतमंद एक महिला मरीज की जान बचाई। महिला की जलगांव से मुंबई जाने वाली उड़ान छूट गई थी, जिसके बाद शिंदे ने उसे अपने चार्टर्ड विमान से मुंबई भेजने की व्यवस्था की।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शुक्रवार को जलगांव जिले के मुक्तैनगर में 'संत मुक्ताबाई पालखी प्रस्थान समारोह' में शामिल होने गए थे। मुंबई लौटते समय जलगांव हवाई अड्डे पर उनकी उड़ान थोड़ी देर से रवाना हुई। यही देरी एक महिला मरीज के लिए जीवन बचाने वाली साबित हुई, जिसे तुरंत किडनी प्रत्यारोपण की जरूरत थी। विज्ञप्ति के अनुसार शीतल बोर्डे नामक महिला मरीज को तत्काल किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए मुंबई के अस्पताल में भर्ती होना था, वह समय पर हवाई अड्डे पहुंचीं, लेकिन तब तक उनकी उड़ान रवाना हो चुकी थी, इससे उनकी सर्जरी समय पर होना असंभव लगने लगा। इसमें कहा गया कि जब बोर्डे ने अपनी परेशानी हवाईअड्डे पर मौजूद स्थानीय कार्यकर्ताओं को बताई, तो उन्होंने तुरंत राज्य मंत्री गिरीश महाजन से संपर्क किया, इसके बाद महाजन ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मदद की अपील की।

सहज स्मृति योग

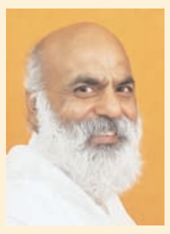

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैं जीवन को जीने की अपनी कसौटी पर बिल्कुल खरा उतरता आ रहा हूँ। जो मुझे करना चाहिए वही करता हूँ लेकिन फिर भी न तो मैं प्रसन्न हूँ और ना ही शांत। बल्कि, बाहर शांत और प्रसन्न दिखने-दिखाने का दिखावा करते हुए अंदर ही अंदर असंतोष में उबलता रहता हूँ।आप से ही सुना है कि जो हमें करना चाहिए वह करने पर मन में शांति बनी रहती है तो मेरे साथ ऐसा क्यों नहीं हो रहा है ?

उत्तर: मैं आपके ही प्रश्न को आपसे पलट कर पूछता हूँ, कदाचित कुछ भ्रम दूर हो और कुछ स्पष्टता मिले। क्या आप स्वयं को शांत, प्रसन्न और संतुष्ट नहीं करना चाहते ? यदि करना चाहते हैं तो 'कर' क्यों नहीं रहे ? या आप शांत, प्रसन्न और संतुष्ट होना ही नहीं चाहते? यदि होना नहीं चाहते तो फिर शिकायत क्यों ? कहा यह गया है कि हम पूर्ण समाधिस्थ न भी हो पाएँ तो भी हमारे आंतरिक रूप से शांत, प्रसन्न और संतोषी होने पर ही हमें यह अधिक स्पष्ट होता है कि हमें वर्तमान में कब, कहाँ, क्या, कैसे करना चाहिए्। स्पष्ट ही है कि जितने अधिक शांत और संतुष्ट हम आंतरिक रूप से होते जाते हैं्। जीवन जीने के बारे में उतनी ही अधिक स्पष्टता हमें होती जाती है। सबके साथ ऐसा ही होता है, आप या हम कोई भी इससे अलग नहीं हैं्।

2022 में कोविड से 86.5 लाख मौतें हुईं :सीआरएस की रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2022 के दौरान देश में लगभग 86.5 लाख लोगों की मौत हुई जो कोविड प्रभावित वर्ष 2021 में हुई 1.02 करोड़ से अधिक लोगों की मौत की तुलना में 15 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट को दर्शाता है। नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के एक नए आंकड़े से यह जानकारी मिली।

सीआरएस की रिपोर्ट के माध्यम से भारत के महापंजीयक कार्यालय द्वारा प्रदर्शित 2022 के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2021 के मुकाबले मौतों की संख्या में 15.74 लाख की गिरावट ने मृत्यु दर के आंकड़ों को मोटे तौर पर 2020 में देखी गई पूर्व-महामारी पैटर्न के अनुरूप ला दिया है।

सीआरएस के आंकड़ों के अनुसार, 2021 में देश भर में 1.02 करोड़ लोगों की मौतों के साथ मृतक संख्या में तेज उछाल दर्ज किया गया था, जबकि यह आंकड़ा 2020 में 81.1 लाख, 2019 में 76.4 लाख और 2018 में 69.5 लाख था।

न्यायिक निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी केवल पूरक हो, मानव मस्तिष्क की जगह न ले : गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने कहा कि न्यायिक निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी को मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं लेना चाहिए, बल्कि उसका पूरक होना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि न्यायिक निर्णय लेते समय विवेक, सहानुभूति और न्यायिक व्याख्या का स्थान कोई नहीं ले सकता।

न्यायमूर्ति गवई लंदन विश्वविद्यालय से संबद्ध स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में 'भारतीय कानूनी प्रणाली में प्रौद्योगिकी की भूमिका' विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका स्वचालित वाद सूचियों, 'डिजिटल कियोस्क' और आभासी सहायकों जैसे नवाचारों का स्वागत करती है, लेकिन उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मानवीय निगरानी, नैतिक दिशानिर्देश और मजबूत प्रशिक्षण उनके कार्यान्वयन का अभिन्न अंग हों। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''विवेक, सहानुभूति और न्यायिक व्याख्या का मूल्य अपूरणीय है।'' उन्होंने बताया कि भारतीय न्यायपालिका देश की संवैधानिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप घरेलू नैतिक ढांचे के विकास को लेकर बेहतर स्थिति में है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''हमारे पास तकनीकी विशेषज्ञता, न्यायिक दूरदर्शिता और लोकतांत्रिक जनादेश है, जिससे हम ऐसी प्रणालियां विकसित कर सके जो समानता, सम्मान और न्याय के हमारे मूल्यों को प्रतिबिंबित करती हों।''

सर्कुलर रेल परियोजना पर रेल राज्यमंत्री सोमन्ना ने की समीक्षा

राज्य सरकार के मंत्री और सांसदों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना की अध्यक्षता में सर्कुलर रेलवे परियोजना की प्रारंभिक समीक्षा पर बैठक आयोजित हुई। वी. सोमन्ना ने प्रस्तावित सर्कुलर रेलवे परियोजना की प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा के लिए शनिवारको कुमार कृपा गेस्ट हाउस में एक बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, श्रम और रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले मंत्री, कर्नाटक सरकार श्री के.एच. मुनियप्पा, बेंगलूरु सेन्ट्रल के सांसद पी.सी. मोहन, चिक्कबल्लापुर सांसद डॉ.के. सुधाकर,बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सीएन मंजुनाथ, बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह सहित दक्षिण पश्चिम रेलवे के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन के अनुरूप, बेंगलूरु के आसपास सर्कुलर रेलवे परियोजना को शहर की बढ़ती यातायात भीड़ और गतिशीलता चुनौतियों को दूर करने के लिए एक टिकाऊ, दीर्घकालिक समाधान के रूप में प्रस्तावित किया जा रहा है। सर्कुलर रेलवे परियोजना के लिए हाल ही में एक विस्तृत सर्वेक्षण किया गया था, जिसमें निष्पादन चरण में कुछ चुनौतियों का पता चला था। इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए, आज की बैठक में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के संसद सदस्यों और वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों को एक सहयोगी चर्चा के लिए एक साथ लाया गया।

मंत्री ने यह भी बताया कि प्रस्तावित सर्कुलर रेलवे नेटवर्क लगभग 271 किलोमीटर तक फैला होगा, जिसे बेंगलूरु के परिधीय क्षेत्रों को आपस में जोड़ने और आगामी उपनगरीय रेलवे नेटवर्क और राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इस परियोजना में तीन प्रमुख खंड निडावंडा-दोड्डबल्लापुरा-देवनहल्ली-मालुर, मालुर-आनेकल-हेज्जला और हेज्जला-सोलुरु-निडावंडा शामिल है। इस बुनियादी ढांचे की पहल के कार्यान्वयन के लिए लगभग 2,500 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। परियोजना की पूरी लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी। सोमन्ना ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को 50 साल के बुनियादी ढांचे के दृष्टिकोण के साथ देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य बेंगलूरु महानगर क्षेत्र की दीर्घकालिक गतिशीलता आवश्यकताओं को पूरा करना है।

बाद में, वी. सोमन्ना ने विभिन्न नई लाइन परियोजनाओं, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के अधिकारियों के साथ एक विस्तृत बैठक की।

कांग्रेस ने पाकिस्तान को अलग-थलग करने में नाकाम रहने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार पहलगाम आतंकी हमले के बाद वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने में विफल रही है, और इसे भारतीय सैनिकों एवं नागरिकों के साथ ''आपराधिक विश्वासघात'' करार दिया। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बजाय, चीन ने उसे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से लैस कर दिया तथा विश्व बैंक और एडीबी (एशियाई विकास बैंक) ने पड़ोसी देश को और अधिक सहायता दी।

उन्होंने दावा किया कि भारत में हुए आतंकवादी हमले के कुछ ही दिन बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाक को आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष नामित कर दिया। खेड़ा ने कहा, ''पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के बाद, हमें उम्मीद थी पाक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और वैश्विक स्तर पर उसे अलग-थलग किया जाएगा, लेकिन वास्तव में क्या हुआ?'' खेड़ा ने कहा, ''चीन, पाक को पांचवीं पीढ़ी के 40 जे-35ए लड़ाकू विमान दे रहा है, जो अत्याधुनिक पीएल-17 मिसाइलों से लैस हैं। अजरबैजान 40 पाकिस्तानी जेएफ-17 लड़ाकू विमानों की खरीद में 2 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है।''

डॉ. अच्युत सामंत को चाओयांग यूनिवर्सिटी ने दी 'मानद डॉक्टरेट' की उपाधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन और मानवीय सेवा के क्षेत्र में उनके अथक कार्य के लिए एक और वैश्विक मान्यता में, केआईआईटी, केआईएसएस व केआईएमएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत को शनिवार को ताइवान स्थित चाओयांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के स्नातक समारोह के दौरान उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। यह प्रतिष्ठित सम्मान दुनिया भर के किसी विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. सामंत को प्रदान की गई 68वीं मानद डॉक्टरेट की उपाधि है, जो शिक्षा के माध्यम से वंचितों को सशक्त बनाने में उनके अद्वितीय योगदान की पुष्टि करता है। चाओयांग यूनिवर्सिटी ने अपने प्रशस्ति पत्र में हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान के लिए उनकी असाधारण प्रतिबद्धता और समावेशी शिक्षा में वैश्विक मानक बन चुके संस्थानों के निर्माण के लिए डॉ. सामंत की सराहना की।

विवि ने कहा कि उनके काम ने दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन पर अमिट छाप छोड़ी है। समारोह में डॉ. सामंत ने स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए उनसे समाज की बेहतरी के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया।

जुलाई कर अवधि से समय-बाधित हो जाएगा जीएसटी रिटर्न

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी नेटवर्क ने कहा कि जुलाई कर अवधि की शुरुआत से, जीएसटी करदाता मूल फाइलिंग की नियत तारीख से तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जुलाई, 2025 की कर अवधि का मतलब है कि करदाता इस साल अगस्त में मासिक रिटर्न दाखिल करेंगे। एक परामर्श में, माल और सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कहा कि करदाता फाइलिंग की नियत तारीख से तीन साल की समाप्ति पर जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-3बी, जीएसटीआर-4,जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-5ए, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7, जीएसटीआर-8 और जीएसटीआर-9 दाखिल नहीं कर पाएंगे।

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के मतदाताओं का अपमान किया है : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में धांधली किये जाने का दावा कर यहां के लोगों और महिला मतदाताओं का 'अपमान' किया है।

फडणवीस ने कहा कि गांधी द्वारा किए गए दावे आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार की उनकी स्वीकारोक्ति के समान हैं। मुख्यमंत्री ने राहुल से अपील की कि वह झूठ बोलकर खुद को ''झूठा दिलासा'' देने से बचें।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर चुनाव में कथित अनियमितता के बारे में चरणबद्ध तरीके से बताया है कि कैसे मतदाता सूची में फर्जी मतदाता जोड़े गए, मतदान प्रतिशत बढ़ा चढ़ा कर दिखाए गए, फर्जी मतदान कराए गए और बाद में सबूत छिपाए गए। गांधी ने 'दैनिक जागरण' और 'द इंडियन एक्सप्रेस' अखबार में प्रकाशित लेख की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''चुनाव की चोरी का पूरा खेल! 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट था।'' फडणवीस ने दोनों अखबारों में प्रकाशित राहुल के लेख की ओर इशारा करते हुए कहा कि गांधी को अज्ञानता से जागना चाहिए और कांग्रेस पार्टी के अधंकारमय भविष्य की जमीनी हकीकत को समझना चाहिए। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जब तक राहुल गांधी जमीनी हालात को नहीं समझेंगे और खुद से झूठ बोलना तथा झूठे दिलासे देना बंद नहीं करेंगे, तब तक उनकी पार्टी कभी नहीं जीतेगी। उन्हें (अज्ञानता से) जाग जाना चाहिए, अन्यथा वह ऐसी बातें करते रहेंगे, जो तथ्यों से परे हैं।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि गांधी ने चुनाव की निष्पक्षता पर संदेह जताकर महाराष्ट्र के मतदाताओं का अपमान किया है।

फडणवीस ने कहा, ''उन्होंने मतदाताओं और लाडकी बहिन (गरीब महिलाओं के लिए राज्य सरकार की योजना के लाभार्थियों) का अपमान किया है। मैं उनके बयान की निंदा करता हूं।'' उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने पहले ही सबूतों के साथ उनके दावों को खारिज कर दिया था और पिछले चुनावों तथा हालिया चुनावों में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के आंकड़े जारी किए थे। फडणवीस ने कहा, ''उन्हें झूठ बोलने की आदत है। गांधी का मानना है कि हर दिन झूठ बोलने से लोग उनके दावों को सच मान लेंगे। उन्होंने पहले भी ऐसे आरोप लगाए हैं। उन्हें नहीं पता कि वह क्या कह रहे हैं। उन्हें सुनने वाले लोग समझ नहीं पाते कि वह क्या कह रहे हैं। मुझे लगता है कि इस पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।''

सोनम रघुवंशी के लापता होने की : मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सीबीआई से जांच कराने का आग्रह किया

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया कि वह मेघालय में इंदौर की एक महिला के लापता होने की घटना की सीबीआई जांच का आदेश दें। लापता महिला सोनम रघुवंशी (25) अपने पति राजा रघुवंशी (29) के साथ हनीमून के लिए मेघालय गई थी। मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के नोंग्रियाट गांव में 23 मई को एक 'होमस्टे' से बाहर निकलने के कुछ घंटों बाद सोनम लापता हो गई थी।

दो जून को, राजा का शव होमस्टे से लगभग 20 किलोमीटर दूर सोहरा इलाके में एक झरने के पास एक गहरी खाई में मिला है। हालांकि, मेघालय पुलिस को अभी तक सोनम के बारे में कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस ने राजा का शव मिलने के बाद हत्या का मामला दर्ज किया है। मुख्यमंत्री यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, संकट की इस घड़ी में मध्यप्रदेश श्रीमती सोनम रघुवंशी के परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, मैंने मेघालय के मुख्यमंत्री से इस मामले पर चर्चा की है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मेघालय के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैंने माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का आदेश देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनम रघुवंशी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

कांग्रेस को धर्मांतरण पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए : अरविंद नेताम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

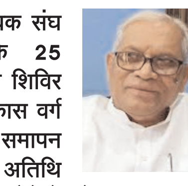

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस को धर्मांतरण पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए।

नेताम ने यह भी संदेह जताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने ईसाई धर्म अपना लिया है। बैज बस्तर क्षेत्र के आदिवासी नेता हैं। नेताम ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 25 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर - 'कार्यकर्ता विकास वर्ग - द्वितीय' के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के दो दिन बाद रायपुर में संवाददाताओं से यह बात कही। नागपुर के कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए थे। राज्य के बस्तर क्षेत्र के प्रमुख आदिवासी नेता नेताम पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पी वी नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी और सर्व आदिवासी समाज (एसएएस) का हिस्सा बन गए थे। सर्व आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ में आदिवासी संगठनों का एक समूह है। समाज ने 2023 में विधानसभा चुनाव से पहले एक राजनीतिक संगठन हमार राज पार्टी का गठन किया था। कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रमुख दीपक बैज के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि नेताम आरएसएस की भाषा बोल रहे हैं, नेताम ने कहा, ''मैं (आदिवासी) समुदाय की भाषा बोल रहा हूं। मैं बैज से पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है। जब वह ऐसी बातें करते हैं तो मुझे इस पर संदेह होता है। मैं पूछना चाहता हूं कि धर्म परिवर्तन के बारे में कांग्रेस की नीति क्या है। पार्टी को इसे स्पष्ट करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''धर्मांतरण पर आरएसएस की नीति बहुत स्पष्ट है कि वह इस तरह की प्रथा के खिलाफ है। कांग्रेस को अपनी नीति के बारे में बात करनी चाहिए। वह (बैज) पार्टी के (छत्तीसगढ़ में) प्रमुख हैं।''

कमल हासन ने हिंदी थोपे जाने के मुद्दे पर कहा, ''बिना थोपे हम सीख लेंगे''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। अभिनेता कमल हसन ने दक्षिण भारत के राज्यों पर हिंदी थोपे जाने के सवाल पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि वह इस मुद्दे पर पंजाब, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के साथ हैं। हासन की इस हफ्ते 'ठग लाइफ' फिल्म प्रदर्शित हुई है जोकि उनके 65 साल के करियर की 234वीं फिल्म है।

हासन की तमिल से कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति वाली टिप्पणी को लेकर उठे विवादों के बीच 'ठग लाइफ' सिनेमाघरों में आई है। अपनी टिप्पणी को लेकर हासन ने माफी मांगने से इनकार कर दिया और 'ठग लाइफ' कर्नाटक में प्रदर्शित नहीं हुई। हासन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार के दौरान कहा, ''मैं 'एक दूजे के लिए' का अभिनेता हूं।'' हासन अपनी 1981 की लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'एक दूजे के लिए' का संदर्भ दे रहे थे, जो एक तमिल लड़के और हिंदी बोलने वाली लड़की की प्रेम कहानी पर आधारित है। अभिनेता ने कहा, बिना थोपे हम सीख लेंगे। थोपें नहीं, क्योंकि यह शिक्षा का मामला है और हमें शिक्षा के लिए सबसे छोटा रास्ता अपनाना चाहिए ... न कि उसमें बाधाएं खड़ी करनी चाहिए। हासन तमिलनाडु से ताल्लुक रखते हैं, जहां सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) लंबे समय से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत लागू की गई तीन-भाषा नीति का विरोध कर रही है। पार्टी ने बार-बार भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पर हिंदी थोपने' का प्रयास करने का आरोप लगाया है, जिसका केंद्र ने खंडन किया है। सत्तर वर्षीय अभिनेता ने जोर देकर कहा कि किसी एक विशेष भाषा को थोपना सीखने की प्रक्रिया में सिर्फ बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा, मैं पंजाब के साथ खड़ा हूं। मैं कर्नाटक के साथ खड़ा हूं। मैं आंध्र के साथ खड़ा हूं। यह एकमात्र राज्य नहीं है जो भाषा को अनिवार्य करने की प्रक्रिया का विरोध कर रहा है। दक्षिण के साथ-साथ उत्तर में भी लोकप्रिय भारतीय सिनेमा के दिग्गज हासन ने 'नायकन', 'थेवर मगन', 'सदमा', 'सागर' और 'चाची 420' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है जिन्होंने भाषाई दूरी को पाटने का काम किया। उन्होंने कहा कि यदि आप वास्तव में ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता'' हासिल करना चाहते हैं, तो आपको एक भाषा अवश्य सीखनी चाहिए। हासन ने कहा, और अंग्रेज़ी मुझे बेहद उपयुक्त लगती है। आप स्पैनिश या चीनी भी सीख सकते हैं।...लेकिन हमारे पास अंग्रेज़ी शिक्षा की 350 वर्षों की विरासत है, धीरे-धीरे, लेकिन निरंतर। इसलिए जब आप अचानक इसे बदल देते हैं, तो सब कुछ फिर से शुरू हो जाता है। आप अनावश्यक रूप से बहुत से लोगों को निरक्षर बना देते हैं, खासकर तमिलनाडु में। हासन ने कहा, आप अचानक सभी को हिंदी में बोलने के लिए मजबूर करते हैं और आप उन्हें बताते हैं कि विंध्य के पार आपको नौकरी नहीं मिलेगी, फिर आप सोचने लगते हैं, वादों का क्या? मेरी भाषा का क्या? क्या मैं 22 (आधिकारिक भाषाओं) में से एक नहीं हूं? ये वे सवाल हैं जो सामने आ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने अस्पताल में शाइन टॉम चाको से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने अस्पताल में शाइन टॉम चाको से मुलाकात की

त्रिशूर/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने तमिलनाडु के धर्मपुरी के पास हुए कार हादसे में घायल हुए मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको और उनकी मां से शनिवार को मुलाकात की। इस हादसे मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको के पिता का निधन हो गया था।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री गोपी ने पत्रकारों को बताया कि चाको के बाएं हाथ की हड्डी टूट गई है और उनके हाथ का ऑपरेशन करने की आवश्यकता है, जबकि उनकी मां की कमर में मामूली जख्म है। उन्होंने कहा कि अभिनेता ने अपने पिता के अंतिम संस्कार के बाद सर्जरी कराने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार रविवार दोपहर को होने की संभावना है, क्योंकि चाको की बहनें शनिवार देर रात केरल पहुंचेंगी। गोपी ने यह भी कहा कि चाको की मां को अभी तक उनके पति की मौत

कई पुरुषों से विवाह कर ठगी करने की आरोपी महिला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम से एक महिला को कई पुरुषों से शादी कर उन्हें धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महिला को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वह आर्यनाड के एक पंचायत सदस्य से शादी करने वाली थी। उसने बताया कि महिला को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और उसी दिन उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई, क्योंकि शादी से कुछ घंटे पहले दूल्हे को उसकी मंशा का पता चल गया था।

आर्यनाड पुलिस थाना में इस संबध में मामला दर्ज किया गया है। थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दूल्हे को महिला की पिछली शादियों के बारे में तब पता चला, जब वह शादी के लिए तैयार हो रही थी और उसने उसके बैग की जांच की। अधिकारी ने बताया कि दूल्हे ने पुलिस को सूचित किया और महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायतकर्ता दूल्हे के अनुसार, मई में महिला ने खुद को दुल्हन की मां बताकर उससे फोन पर संपर्क किया और शादी के बारे में बात की।

पंचायत सदस्य द्वारा दी गई तहरीर के मुताबिक, इसके बाद उसने लड़की बन उसे फोन किया और संदेश भेजा तथा दावा किया कि वह अविवाहित है और उसे गोद लिया गया है तथा उसकी मां उसकी शादी कराने में रुचि नहीं रखती है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी महिला ने उसे शादी के लिए राजी किया और छह जून को शादी की तारीख तय की गई।

शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि उसे शादी की तैयारियों पर किये गए खर्च से 7.5 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने बताया कि यह जांच की जा रही है कि महिला ने पूर्व में कितने लोगों से ठगी की है। शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपी महिला सात से आठ बार पहले ही शादी कर चुकी है।

सेवानिवृत्त कर्नल से 18.8 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में केरल से व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक सेवानिवृत्त कर्नल से 18.8 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में केरल के एक मछुआरे को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29 वर्षीय मछुआरे ने विदेशी मुद्रा बाजार में निवेश से उच्च रिटर्न दिलाने का वादा कर यह ठगी की थी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान केरल के कोल्लम जिला स्थित अझीकल निवासी श्रीजीत राजेंद्रन के रूप में हुई है और उसे उसके गृहनगर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि श्रीजीत को उसके एक दोस्त ने इस गिरोह में शामिल किया था और आसानी से पैसे कमाने के लिए वह इस गिरोह का सदस्य बना था। इस साल की शुरुआत में, जोधपुर से एक और आरोपी सुनील को इसी गिरोह से जुड़े होने को लेकर गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह का सरगना कोल्लम का रहने वाला अनंधु लाल अब भी फरार है। अधिकारी ने बताया कि सेवानिवृत्त कर्नल, दिसंबर 2023 में एक महिला से मोबाइल फोन पर संदेश मिलने और कॉल आने के बाद उसके झांसे में आ गये थे। महिला ने अपनी पहचान 'क्यूट अरविन अंगिता' बताई थी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) हर्ष इंदौरा ने कहा, महिला ने उन्हें विदेशी मुद्रा बाजार में संभावित मुनाफे का भरोसा दिलाया और बार-बार निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिकायतकर्ता के अनुसार, उच्च रिटर्न दिलाने के बहाने उन्हें कई किस्तों में पैसे अंतरित करने के लिए सहमत किया गया और जब उन्होंने पैसे निकालने चाहे, तो इसके लिए अतिरिक्त भुगतान करने को कहा गया। उन्होंने बताया कि आखिरकार उनसे कुल 18,80,818 रुपए ऐंठ लिए गए। इस सिलसिले में 31 अगस्त 2024 को एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई थी।

सड़कों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की कड़ी निगरानी जरूरी : पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने शनिवार को केंद्रीय और राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासनों से सड़क एवं होटल के खाद्य पदार्थों के मानकों की बारीकी से निगरानी एवं विनियमन करने की अपील की। यहां राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान (निम्हांस) में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाटिल ने अस्वास्थ्यकर एवं मिलावटी भोजन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, ''सार्वजनिक स्थानों पर बेचे जाने वाले घटिया खाद्य पदार्थों से अक्सर बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकारी एजेंसियों द्वारा सख्त प्रवर्तन आवश्यक है।'' इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और विभाग की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव भी मौजूद थे। पाटिल ने कहा कि विक्रेता अक्सर खाद्य पदार्थों के स्वाद और दिखावट को बढ़ाने के लिए प्रतिबंधित रंगों और रसायनों का उपयोग करते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं एवं वे कभी-कभी घातक भी साबित हो सकती हैं।

अभिनेता जी कृष्णकुमार और उनके परिवार के खिलाफ अपहरण, जबरन वसूली का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। अभिनेता जी कृष्णकुमार और उनके परिवार के खिलाफ उनकी बेटी दीया की कंपनी में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी की शिकायत के आधार पर अपहरण और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि कृष्णकुमार और दीया ने उसका अपहरण किया और उनसे जबरन वसूली की।

साथ ही, पुलिस ने कृष्णकुमार और उनकी बेटी की शिकायत के आधार पर कर्मचारी के खिलाफ गबन का मामला भी दर्ज किया। म्यूजियम पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाने के एक अधिकारी ने कहा, दोनों मामले दर्ज किए गए हैं। हम शिकायतों के साथ प्रस्तुत सभी साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच, कृष्णकुमार ने एक टीवी चैनल को बताया कि जब दीया गर्भवती थी तो वह अपने व्यवसाय पर ध्यान नहीं दे पा रही थी और उसी दौरान वहां काम करने वाली तीन महिला कर्मचारियों ने कंपनी से लगभग 69 लाख रुपये का गबन किया। अभिनेता ने दावा किया कि इस बारे में पता चलने के बाद जब उन्होंने पुलिस कार्रवाई की बात कही तो महिलाएं अपने पतियों के साथ उनसे मिलने आईं और गबन की बात स्वीकार की। अभिनेता से नेता बने कृष्णकुमार ने दावा किया, उन्होंने (महिलाओं ने) शुरुआत में करीब आठ लाख रुपये दिए और कहा कि वे बाकी राशि लौटा देंगी और हमसे शिकायत दर्ज न कराने को कहा। लेकिन बाद में उनमें से एक ने फोन करके मेरी बेटी को धमकाया, जिसके बाद हमने 30 या 31 मई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने दावा किया कि हमारे शिकायत दर्ज कराने के एक दिन बाद इसकी प्रतिक्रिया में इन महिलाओं ने शिकायत दर्ज कराई।

कृष्णकुमार ने कहा, ''मुझे पता चला है कि मेरे दामाद सहित मेरे परिवार के सभी छह सदस्यों के खिलाफ गैर-जमानती प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।''

अभिनेता कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय को स्थिति स्पष्ट करते हुए एक ईमेल भेजा है और वहां से उन्हें जवाब मिला है। कृष्णकुमार ने यह भी दावा किया कि उनके पास कर्मचारियों द्वारा गबन करने और उसके बाद अपराध स्वीकार करने के वीडियो सहित इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मौजूद हैं।

उन्होंने कहा, ''ये सभी साक्ष्य पुलिस को दे दिए गए हैं।''

शुभ विवाह

बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में आयोजित पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के पोते और शिवमोग्गा लोकसभा सांसद बी.वाई. राघवेंद्र के बेटे सुभाष के विवाह समारोह में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एवं अन्य गणमान्य मंत्रीगण।

बेंगलूरु भगदड़ मामले में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के 'हाथ खून से सने' हैं, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए : करंदलाजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के 'हाथ खून से सने' हैं। उन्होंने बेंगलूरु में चार जून को हुई भगदड़ की घटना के लिए दोनों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया और उनके इस्तीफे की मांग की।

इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने सच्चाई सामने लाने के लिए उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से जांच कराने की मांग की। उन्होंने इस घटना के लिए बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद और चार अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। बेंगलूरु उत्तर सीट से सांसद ने इस घटना पर कांग्रेस आलाकमान और पार्टी नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और उनसे आग्रह किया कि अगर उनमें 'हिम्मत' है तो वे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से इस्तीफा मांगें।

उन्होंने पूछा, ''क्या कर्नाटक कांग्रेस में सिद्दरामय्या और शिवकुमार के अलावा कोई नेता नहीं बचा है? दोनों नेताओं को जांच का सामना करने दीजिए, किसी और को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बनाइए। जो के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला हर छोटे-बड़े मुद्दे पर कर्नाटक दौरे पर आ जाया करते थे, वो अब कहां छिपे हुए हैं?'' उन्होंने आरोप लगाया कि वे इस मुद्दे पर चुप हैं क्योंकि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पार्टी के दिल्ली आलाकमान के लिए 'एटीएम' है।

यह भगदड़ चार जून की शाम को चिन्नास्वामी स्टेडियम के सामने हुई, जहां बड़ी संख्या में लोग रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) टीम की आईपीएल जीत के जश्न में शामिल होने के लिए उमड़े थे। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 लोग घायल हो गए थे। करंदलाजे ने कहा, सिद्दरामय्या और शिवकुमार के हाथ खून से सने' हैं। जिन माता-पिता ने अपने बच्चों को खो दिया है, वे कोस रहे हैं। वे (मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री) अपने हाथों पर लगे खून को धोने और पुलिस अधिकारियों पर उसका दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

मेस्सी निश्चित रूप से केरल का दौरा करेंगे, प्रायोजक ने मैच फीस का भुगतान किया : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने शनिवार को कहा कि सरकारी की पहले की घोषणा के मुताबिक महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की अगुआई वाली अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम निश्चित रूप से राज्य का दौरा करेगी। उन्होंने बताया कि प्रायोजक ने इस आयोजन के लिए मैच फीस का भुगतान कर दिया है।

उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की टीम के इस साल अक्टूबर-नवंबर में आने की अधिक संभावना है। इस दौरे के दौरान टीम को सरकारी मेहमान की सुविधाएं मिलेंगी। सरकार उनकी सुरक्षा, आवास और अन्य सुविधाओं का खर्च भी उठाएगी। मीडिया के एक वर्ग में ऐसी खबरें थी कि अर्जेंटीना की टीम ने केरल का अपना निर्धारित दौरा रद्द कर दिया है क्योंकि प्रायोजकों ने अनुबंध के नियमों का उल्लंघन किया है। खेल मंत्री ने हालांकि राज्य में फुटबॉल के प्रशंसकों की उम्मीदों को बनाये रखने की कोशिश की है।

अब्दुरहीमान और प्रायोजक (रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी) दोनों ने इन रिपोर्टों को दृढ़ता से खारिज कर दिया था और दोहराया था कि विश्व चैंपियन खिलाड़ी केरल में मैत्री मैच का हिस्सा होगा। मंत्री ने शुक्रवार को फेसबुक पर एक संक्षिप्त पोस्ट लिखकर कहा कि 'मेस्सी आएंगे'। इससे यह मुद्दा फिर से चर्चा में आ गया। उन्होंने इस पोस्ट में रिपोर्टर 'ब्रॉडकास्टिंग कंपनी' को भी धन्यवाद दिया।

उन्होंने शनिवार को मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि प्रायोजक द्वारा मैच फीस के भुगतान में कुछ देरी हुई थी और अब यह मामला सुलझ गया है। उन्होंने कहा, ''फीफा विंडो के अनुसार अक्टूबर-नवंबर में विश्व टीमों को ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए समय आवंटित है। ऐसे में हमारे लिए भी यही समय आवंटित किए जाने की संभावना है।''

प्रस्तावित मैत्री मैच यहां ग्रीनफील्ड स्टेडियम में आयोजित किए जाने की संभावना है क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है। मंत्री ने कहा कि सरकार का एकमात्र उद्देश्य विश्व चैंपियनों को लाकर राज्य के खेल क्षेत्र में नयी उम्मीदें जगाना है।

शंकर और जयराम ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ए शंकर और ई एस जयराम ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के सचिव और कोषाध्यक्ष के अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इन दोनों ने आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के विजय समारोह के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

शंकर और जयराम ने एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार रात केएससीए अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बयान में कहा गया है, पिछले दो दिनों में घटित अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारण हम यह बताना चाहते हैं कि हमने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। भले ही इसमें हमारी भूमिका बहुत सीमित थी।केएससीए अध्यक्ष रघुराम भट, सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में कहा था कि गेट प्रबंधन और भीड़ प्रबंधन एसोसिएशन की जिम्मेदारी नहीं है और उन्होंने विधान सौधा में समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। विधान सौध में सम्मान समारोह बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के संपन्न हो गया, लेकिन एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी।

भारत माता तस्वीर विवाद :

भाकपा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, पौधा रोपण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने शनिवार को राजभवन में पर्यावरण दिवस समारोह में भारत माता की तस्वीर इस्तेमाल करने के विरोध में शनिवार को राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पौधारोपण किया। राज्य के कृषि मंत्री और भाकपा नेता पी. प्रसाद ने भारत माता की तस्वीर का इस्तेमाल करने की वजह से पांच जून को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम का बहिष्कार किया था और कहा था कि यह चित्र राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

वाम दल ने घोषणा की थी कि वह शनिवार को अपनी सभी शाखाओं पर भारत माता के प्रतीक के तौर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएगा और राजभवन की कार्रवाई के विरोध में पौधारोपण करेगा। भाकपा के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने शनिवार सुबह त्रिशूर स्थित पार्टी जिला कार्यालय में ध्वजारोहण किया और पौधारोपण किया। राज्य के राजस्व मंत्री पी. राजन और वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री वी.एस. सुनील कुमार भी इस दौरान मौजूद थे। विश्वम ने कार्यक्रम के बाद सवाल किया कि राज्यपाल विश्वनाथ राजेंद्र आर्लेकर के लिए देश का संविधान महत्वपूर्ण है या संघ की नीतियां। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए कहा, 'यह झंडा भारत माता है। इसके अलावा कोई भारत माता नहीं है।' विश्वम ने राज्यपाल की आलोचना करते हुए कहा कि भारत माता की कोई अन्य अवधारणा थोपने का कोई भी प्रयास असंवैधानिक और ''राष्ट्र-विरोधी'' है। इस मौके पर मौजूद भाकपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए। इस बीच, सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राज्य सचिव एम.वी. गोविंदन ने संवाददाताओं के इस सवाल को खारिज कर दिया कि क्या सत्तारूढ़ पार्टी अपने सहयोगी दल भाकपा की तरह इस मामले में राज्यपाल की आलोचना करने की इच्छुक नहीं है। राजभवन का इस्तेमाल सांप्रदायिक विचारधाराओं के प्रचार के लिए नहीं किया जाना चाहिए। राजभवन जैसे सार्वजनिक स्थान पर सांप्रदायिक विचारधाराओं का प्रचार करने वाले किसी भी प्रतीक को प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। यह हमारा रुख है।'' गोविंदन ने कहा कि वह स्वयं कृषि मंत्री प्रसाद द्वारा राजभवन के कार्यक्रम का बहिष्कार करने के कदम की सराहना करते हैं। केरल की वामपंथी सरकार ने स्पष्ट किया कि वह यहां राजभवन में पर्यावरण दिवस समारोह में भारत माता की तस्वीर के इस्तेमाल से सहमत नहीं है, क्योंकि यह तस्वीर संविधान या भारत सरकार द्वारा आधिकारिक संस्करण के रूप में अधिकृत नहीं है।

मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों में जल्द लागू होगा क्यू मैनेजमेंट सिस्टम : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश के अस्पतालों में रोगियों एवं परिजनों को कतारों से मुक्ति दिलाने के लिए क्यू मैनेजमेंट सिस्टम प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। फिलहाल जयपुरिया एवं कांवटिया अस्पताल में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किए गए इस सिस्टम के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने शनिवार प्रात: जयपुरिया एवं कांवटिया अस्पताल पहुंचकर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में ओपीडी काउंटर पर पहुंचकर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम से होने वाली रोगी पंजीकरण की प्रक्रिया को देखा। साथ ही, चिकित्सकों एवं रोगियों से बातचीत कर नई व्यवस्था के बारे में फीडबैक लिया।

रोगियों ने बताया कि पहले उन्हें पर्ची के लिए लंबे समय तक लाइनों में खड़ा होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। अब क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लागू होने से बहुत कम समय में उनका पंजीकरण हो जाता है और जिस डॉक्टर को दिखाना होता है, उनके रूम के बाहर इंतजार करने के बजाय वे प्रतीक्षाकक्ष में आराम से बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं। एलईडी स्क्रीन पर अपना टोकन नंबर दिखाई देने पर चिकित्सक से परामर्श ले लेते हैं। रोगियों ने इस नवाचार के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं को सुगम बनाने की दिशा में राज्य सरकार की यह पहल बेहद सराहनीय है।

चिकित्सकों ने बताया कि क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लागू होने से उन्हें भी उपचार एवं परामर्श में काफी सुगमता हुई है। अब रूम के बाहर भीड़ एकत्र नहीं होती, इससे एकाग्रता के साथ रोगी को देखना आसान होता है। साथ ही, रोगियों की बारी एवं उपचार प्रक्रिया में और अधिक पारदर्शिता बनी रहती है। इस तकनीकी पहल से रोगियों का डाटा भी संधारित करने में आसानी होती है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि ङ्कजयपुरिया एवं कांङ्कवटिया अस्पताल से इस तकनीकी नवाचार को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रारंभ किया गया है। दोनों अस्पतालों में सफलतापूर्वक लागू होने के बाद अब मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सभी अस्पतालों में क्यू मैनेजमेंट सिस्टम प्रारंभ किया जाएगा। सवाई मानसिंह अस्पताल में भी जल्द ही यह सिस्टम लागू हो जाएगा। इसके लिए तैयारियों जोरशोर से चल रही हैं। उन्होंने एसएमएस अस्पताल में चल रही तैयारियों की गहन समीक्षा भी की। चिकित्सा शिक्षा सचिव के साथ सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अन्य अस्पतालों के अधीक्षक भी जयपुरिया अस्पताल क्यू मैनेजमेंट सिस्टम का अवलोकन करने पहुंचे। इन अस्पतालों में भी शीघ्र ही यह सिस्टम प्रारंभ किया जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने अस्पताल में आईसीयू, आपातकालीन इकाई, सामान्य वार्ड आदि में पहुंचकर भी स्वास्थ्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में साफसफाई एवं मरम्मरत कार्यों पर प्राथमिकता के साथ ध्यान दिया जाए, ताकि रोगियों एवं परिजनों को किसी तरह की कठिनाई नहीं हो। उन्होंने कहा कि रोगियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना एवं जीवन रक्षा ही हम सबका सर्वोच्च दायित्व है, इसमें किसी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए।

चिकित्सा शिक्षा सचिव के भ्रमण के दौरान चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक नरेश गोयल, सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, जयपुरिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल, स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के डॉ. संदीप जसूजा, महिला चिकित्सालय की अधीक्षक डॉ. आशा वर्मा, टीबी हॉस्पिटल के डॉ. चांद भण्डारी, मनारोग चिकित्सा संस्थान के डॉ. ललित बत्रा, गणगौरी हॉस्पिटल के डॉ. हरजीत सिंह, सेटेलाइट हॉस्टिपल बनीपार्क के डॉ. पीडी मीणा, कावंटिया हॉस्पिटल के डॉ. आरएस तंवर, जनाना हॉस्पिटल से डॉ. कुसुमलता मीणा व डॉ. शिव बराला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

फर्जी पीएम किसान ऐप के नाम पर ठगी, पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के मोबाइल ऐप के जरिए लोगों से ठगी करने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने लोगों को इससे सतर्क रहने की अपील करते हुए परामर्श जारी किया है। पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) शांतनु कुमार ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के नाम पर इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया साइबर जाल फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया पर किसान सम्मान निधि योजना की मोबाइल एप्लीकेशन (ऐप) होने का दावा करने वाले एक फर्जी लिंक या एपीके फाइल शेयर कर लोगों को फांस रहे है।

राजस्थान पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने आम लोगों को इस संबंध में आगाह करते हुए परामर्श जारी किए है। साइबर अपराध शाखा के अनुसार पीएम किसान रजिस्ट्रेशन एवं पीएम किसान योजना की फर्जी एपीके फ़ाइल 'व्हाट्सएप ग्रुप्स व अन्य माध्यमों से शेयर की जा रही है। दावा किया जा रहा है कि इस ऐप के जरिए किसान योजना में घर बैठे रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं और तुरंत लाभ पा सकते हैं।

कुमार ने बताया कि लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि इस फर्जी एपीके फाइल के जरिए बैकडोर मैलवेयर मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। इससे मोबाइल का नियंत्रण साइबर अपराधियों के पास चला जाता है। अपराधी फिर मोबाइल स्क्रीन रिकॉर्डिंग, ओटीपी, बैंकिंग एप्स व अन्य संवेदनशील जानकारी हासिल कर बैंक खातों से अवैध रूप से धन निकाल रहे हैं।

साइबर अपराध शाखा ने स्पष्ट किया है कि पीएम किसान योजना में रजिस्ट्रेशन सिर्फ तहसील स्तर के कृषि कार्यालय, केंद्र सरकार के पोर्टल या सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से ही किया जाता है। इस योजना की आधिकारिक वेबसाइट पीएम किसान डॉट जीओवी डॉट इन है। पुलिस के अनुसार लोग केवल गूगल प्ले स्टोर से आधिकारिक ऐप ही डाउनलोड करें।

इसने आमजन, विशेषकर किसानों और ई-मित्र संचालकों से अपील की है कि किसी भी फर्जी लिंक या ऐप से सावधान रहें। यदि ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर या निकटतम पुलिस/साइबर थाने को सूचना दें।

मकराना में विधायक जाकिर हुसैन और कांग्रेस नेता अजीज गहलोत में हाथापाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीडवाना। डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना में शनिवार को कांग्रेस के दो कद्दावर चेहरों विधायक जाकिर हुसैन गैसावत और कांग्रेस नेता अजीज गहलोत के बीच सड़क निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में सियासी विवाद उस वक्त हिंसा में तब्दील हो गया जब मंच पर ही दोनों नेताओं के बीच गाली-गलौज और फिर समर्थकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ा कि पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा।

विवाद का केंद्र 67 लाख रुपए की लागत से बनी दो सड़कों का लोकार्पण कार्यक्रम था, जिसमें ईद की नमाज के बाद कब्रिस्तान में एकत्रित समुदाय के बीच शिलान्यास होना था। कार्यक्रम के दौरान अजीज गहलोत को मंच पर बुलाया गया लेकिन उन्होंने विधायक को भ्रष्टाचारी कहते हुए उनके साथ तस्वीर खिंचवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद मामला गरमा गया। विधायक गैसावत ने आरोप लगाया कि गहलोत अपने समर्थकों के साथ कुछ देर बाद दोबारा वहां पहुंचे और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस झड़प में विधायक के भांजे फरीन का हाथ टूटने की खबर है। घटना के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें हंगामे और धक्का-मुक्की के दृश्य कैद हैं। मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात था, जिसने स्थिति संभाली। विधायक गैसावत की शिकायत पर अजीज गहलोत और उनके समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

घर के बाहर मिला पिता, पुत्र का शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दौसा जिले के खवारावजी गांव में शनिवार सुबह एक पिता-पुत्र का शव उनके घर के बाहर मिलने से दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में पुत्र के ससुराल पक्ष के रिश्तेदारों की संलिप्तता का संदेह जताया है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक यह घटना शनिवार सुबह तब सामने आई जब ग्रामीणों ने घनश्याम बैरवा (35) और उसके पिता तनसिंह (70) के शव उनके घर के बाहर पड़े देखे। पापदड़ा थाने के प्रभारी संतचरण ने कहा कि दोनों के शरीर पर चोट के निशान मिले तथा नाक और मुंह से खून बह रहा था। इससे संदेह है कि उन पर हमला किया गया था। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपाधीक्षक चारूल गुप्ता और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सबूत जुटाने के लिए फॉरेंसिक और मोबाइल जांच टीमों को भी बुलाया गया। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घनश्याम का अपने ससुराल वालों से विवाद था। घनश्याम का ससुराल मानपुर थाने के लीखली गांव में है। घनश्याम के ससुराल पक्ष के कुछ लोग शुक्रवार शाम को कथित तौर पर उसके घर आए। पुलिस ने कहा कि पड़ोसियों ने बाद में चिल्लाने की आवाज सुनी लेकिन उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया क्योंकि घनश्याम के घर पर अक्सर घरेलू झगड़े होते रहते थे।

थाना प्रभारी ने कहा, शुरुआती सुरागों और बयानों के आधार पर, हमें घनश्याम के ससुराल वालों की संलिप्तता का संदेह है। पूछताछ के लिए कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। खवारावजी के सरपंच गुलाब शर्मा सहित स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर एकत्र हुए और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। घनश्याम इकलौता बेटा था। घटना के समय उसकी मां अपने मायके गई हुई थी।

सरकार बनाएगी गौशालाओं को स्वावलंबी : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गौ संरक्षण, पशुधन कल्याण एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई योजनाओं और नीतियों पर काम कर रही है। राजस्थान में गायों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई हैं। यह जानकारी पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने जोधपुर जिले की औसियां विधानसभा क्षेत्र के गांव तिंवरी में पशुपालकों, गौशाला समितियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम में दी। इस दौरान उन्होंने गोपालन एवं पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने संबोधन में कहा कि गाय का महत्व सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दोनों दृष्टियों से है। दुग्ध उत्पादन की दृष्टि से राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। पशुओं में दुग्ध उत्पादन में बढोतरी की दृष्टि से सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। जिनमें भारत सरकार के राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत ब्राजील से आयातित उच्च आनुवांशिक गुणवत्ता वाले गिर नस्ल के सांडों के पारम्परिक हिमकृत वीर्य डोजेज से कृत्रिम गर्भाधान कर उससे पैदा हुई उन्नत नस्ल की गिर गाय के दूध में बढोतरी के लिए अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। पशुपालकों को इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाना चाहिए। जोराराम कुमावत ने कहा कि इसी तरह नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत सेक्स सोर्टेड सीमन से 90 फीसदी बछड़ियां ही पैदा होंगी। इससे नस्ल सुधार में तेजी आएगी जिससे पशुपालकों को कई फायदें होंगे। खासकर मादा पशुओं की संख्या में बढोतरी होगी और नर पशुओं की संख्या में कमी आएगी। पशु उत्पादन में बढोतरी होने से किसानों की आय भी बढेगी। सेक्स सोर्टेड सीमन के उपयोग से केवल मादा बछिया पैदा होंगी, जिससे नर बछड़ों पर होने वाला खर्च घटेगा। बछिया होने से डेयरी को बढाने के लिए बाहर से अतिरिक्त मादा गाय नहीं खरीदनी पड़ेगी।

कार्यक्रम में गोपालन मंत्री ने गौवंश का बीमा करने का आह्वान करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना लागू की है। इसके तहत प्रत्येक पशु का नि:शुल्क बीमा करवाया जा सकता है। इस बार बजट-2025-26 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पशुपालकों के बारे में चिंता करते हुए 42 लाख पशुओं का बीमा करवाने की घोषणा की गई है। इस बीमा के लिए जल्द ही पशुपालन विभाग अपनी वेबसाइट पर पशुओं का बीमा के लिए ऑनलाइन आवेदन के लिए लिंक ओपन करेगा। इस दौरान मंत्री ने पशुपालकों को मंगला पशु बीमा योजना की पॉलिसी का भी वितरण किया। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर तिंवरी के प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय को बहुउदेशीय पशु चिकित्सालय के रूप में क्रमोन्नत करने की घोषणा की।

मजबूत होगा आरजीएचएस का प्रबंधन, किए जाएंगे जरूरी सुधार : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम का संचालन अब चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। चिकित्सा विभाग ने रोगियों को योजना का समुचित लाभ दिलाने के लिए योजना के क्रियान्वयन को बेहतर बनाने, अस्पतालों तथा फार्मेसी स्टोर के एम्पेनलमेंट, क्लेम प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए काम प्रारंभ कर दिया है। योजना का प्रबंधन और क्रियान्वयन अब नए स्वरूप में सामने आएगा। किसी भी प्रकार की अनियमितता पर जीरो टोलरेंस की नीति के साथ एक्शन लिया जाएगा। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लाभार्थी का किसी प्रकार का उत्पीड़न नहीं हो।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने यह योजना चिकित्सा विभाग के अधीन आने के बाद शनिवार को पहली बैठक ली और योजना में आवश्यक सुधार के लिए दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के माध्यम से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना का प्रभावी रूप से संचालन किया जा रहा है और इस योजना से प्रदेश के करीब 1 करोड़ 34 लाख परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इसी अनुभव को देखते हुए राज्य सरकार ने आरजीएचएस योजना के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी को सौंपी है।

श्रीमती राठौड़ ने एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल्द से जल्द आरजीएचएस योजना के सभी पक्षों का अध्ययन कर उसमें सुधार के लिए एक्शन प्लान तैयार करें ताकि योजना में किसी भी स्तर पर अनियमितता की गुंजाइश नहीं रहे। योजना में अस्पतालों और दवा दुकानों का एम्पेनलमेंट, रोगियों का ओपीडी एवं आईपीडी में रजिस्ट्रेशन, टीआईडी जनरेशन, उपचार की एप्रूवल सहित सभी प्रक्रियाओं का गहन अध्ययन कर उन्हें सुदृढ़ बनाया जाए। जहां भी सुधार की आवश्यकता हो तत्काल उसके संबंध में कार्यवाही की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि योजना के प्रभावी संचालन की दृष्टि से पोर्टल पर एक फीडबैक ऑप्शन उपलब्ध करवाया जाए, जिस पर लाभार्थी योजना के बारे में अपना रिव्यू दे सके। इससे योजना का लाभ लेने में आने वाली समस्याओं का पता चल सकेगा और उन्हें समय पर दूर किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि योजना के लिए एक एसओपी भी तैयार की जाए, जिसमें उपचार के संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश हों। उन्होंने कहा कि योजना में अस्पतालों को भुगतान की प्रक्रिया पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर हो और पूरी तरह पारदर्शी हो।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि एजेंसी की ओर से योजना के सुदृढ़ीकरण के संबंध में आवश्यक तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

जल्द ही योजना में आवश्यक सुधार कर इसे पेंशेंट फ्रेण्डली बनाया जाएगा। हमारा प्रयास है कि ऐसा फुल प्रूफ सिस्टम विकसित हो, जिससे किसी भी स्तर पर कोई भी अनियमितता नहीं हो। योजना में तकनीकी स्तर पर भी आवश्यक सुधार किए जाएंगे। परियोजना अधिकारी श्रीमती शिप्रा विक्रम ने आरजीएचएस योजना के विभिन्न पक्षों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला सहित मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना एवं आरजीएचएस योजना से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्र का गौरव है हल्दीघाटी की मिट्टी : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को मेवाड़ की गौरवमय धरा हल्दीघाटी पहुंचकर वहां की भूमि को प्रणाम किया। उन्होंने हल्दीघाटी की मिट्टी से अपना तिलक करते हुए कहा कि यहां की मिट्टी भारत के शौर्य, साहस, पराक्रम, विजय एवं आत्मोत्सर्ग की प्रेरणादायी गाथाओं का इतिहास लिए राष्ट्र का गौरव है।

बाद में उन्होंने हल्दीघाटी में चेतक समाधि और संग्रहालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं महाराणा प्रताप संग्रहालय भ्रमण के दौरान उन्होंने महाराणा प्रताप के त्याग, तपस्या और बलिदान की वीडियो फिल्म भी देखी।

सीमावर्ती इलाकों में फिर तेज गर्मी पड़ने की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में फिर तेज गर्मी पड़ने का अनुमान है जहां शुक्रवार को सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में आगामी तीन से चार दिन मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा। इसके अनुसार उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में आठ से 10 जून को अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री दर्ज किए जाने व कहीं-कहीं भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है। इसी तरह बीकानेर संभाग व आसपास के इलाकों में आठ से 10 जून के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चल सकती हैं। शनिवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश सपोटरा (करौली) में 9.0 मिलीमीटर हुई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 43.4 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रधानमंत्री ने आपदा-रोधी अवसंरचना निर्माण के लिए पांच प्राथमिकताओं का जिक्र किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अपनी पांच प्रमुख वैश्विक प्राथमिकताओं को रेखांकित किया जिसमें कुशल कार्यबल, सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक वैश्विक डिजिटल संग्रह और अभिनव वित्तपोषण शामिल है।

आपदा रोधी बुनियादी ढांचे पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2025 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना और तालमेल बिठाना एक अन्य अहम पहलू है। आपदा रोधी बुनियादी ढांचे से आशय ऐसी लचीली अंवसरचना से है जो आपदा का सामना करने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि भारत ने 29 देशों को लाभान्वित करने वाली सुनामी-चेतावनी प्रणाली स्थापित की है और इसने छोटे विकासशील द्वीपीय देशों को बड़े महासागर वाले देशों के रूप में मान्यता देता है और उनकी कमजोरियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

यूरोप में पहली बार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को धन्यवाद दिया और आगामी संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि

सम्मेलन का विषय 'तटीय क्षेत्रों के लिए एक लचीले भविष्य को आकार देना' है। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रति तटीय क्षेत्रों और द्वीपों की नाजुक स्थिति को रेखांकित किया। उन्होंने भारत और बांग्लादेश में चक्रवात रेमल, कैरिबियन सागर में तूफान बेरिल, दक्षिण पूर्व एशिया में तूफान यागी, संयुक्त राज्य अमेरिका में तूफान हेलेन, फिलीपीन में तूफान उसागी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चक्रवात चिडो सहित हाल की आपदाओं का हवाला दिया।

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि इन आपदाओं ने जान-माल को काफी नुकसान पहुंचाया है, जिससे लचीले बुनियादी ढांचे और सक्रिय आपदा प्रबंधन की आवश्यकता को बल मिलता है। वर्ष 1999 के 'सुपर-साइक्लोन' और 2004 की सुनामी सहित विनाशकारी आपदाओं के प्रति भारत के पिछले अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे देश ने लचीलेपन के साथ अनुकूलन और पुनर्निर्माण किया, संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया और 29 देशों को लाभान्वित करने वाली सुनामी-चेतावनी प्रणाली की स्थापना में योगदान दिया। मोदी ने कहा कि आपदा के प्रति लचीलेपन के लिए अभिनव वित्तपोषण की आवश्यकता होती है। उन्होंने विकासशील देशों को आवश्यक धन तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई योग्य कार्यक्रम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने पूर्व चेतावनी प्रणाली और समन्वय को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा समय पर निर्णय लेने और अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी संचार सुविधा की पहुंच में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने विकास में लचीलेपन की आवश्यकता पर बल देते हुए चुनौती के समय अडिग रहने वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण का आह्वान किया।

धूमधाम से मनाई गई ईद-उल-अजहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में शनिवार को ईद-उल-अजहा धूमधाम से मनाई गई और लोगों ने कड़ी सुरक्षा के बीच ईदगाहों में नमाज अदा की। राज्य की राजधानी लखनऊ में शाही इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अगुवाई में ईदगाह में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई जिसके बाद देश की सीमाओं पर तैनात जवानों की सुरक्षा की दुआ की गई।

एक वीडियो संदेश में मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने शनिवार को कहा, पूरे देश में एक बहुत अच्छे माहौल में बकरीद मनाई जा रही है। साथ ही इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया द्वारा जारी यह सलाह भी मानने की अपील की गई है कि केवल उन्हीं पशुओं की कुर्बानी दें जिन पर प्रतिबंध नहीं है। कुर्बानी निर्धारित स्थानों पर ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुर्बानी के बाद पशु का खून नालियों में नहीं बहाया जाना चाहिए और नगर निगम द्वारा की गई व्यवस्था के मुताबिक ही अपशिष्ट का निस्तारण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''नमाज के बाद देश के विकास और रक्षा के साथ ही सीमाओं पर तैनात सैनिकों की सुरक्षा की दुआ करनी चाहिए।'' ईद-उल-अजहा के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पूरे प्रदेश में इस त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाना सुनिश्चित करने के लिए बृहस्पतिवार को निर्देश जारी किए थे।

संभल जिले में ईद-उल-अजहा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने ईदगाह पर संवाददाताओं को बताया, हमने ईद-उल-अजहा के लिए शांति समिति की बैठक की थी। हर किसी ने सार्वजनिक स्थल पर कुर्बानी नहीं करने की सहमति जताई थी। हमने तीन स्तरीय सुरक्षा प्रणाली स्थापित की है। उन्होंने बताया, ''सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। हमने मौलाना, मुफ्ती और मस्जिद के प्रतिनिधियों से बात की। हर किसी ने परंपरागत ढंग से चीजें करने और कोई नई परंपरा शुरू नहीं करने की सहमति दी। सभी स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है और कुर्बानी के लिए 19 स्थान निर्धारित किए गए हैं।'' मौलाना जाहिरुल इस्लाम ने संभल में ईदगाह में नमाज पढ़ी। उन्होंने कहा कि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। वहीं, बरेली नगर और ग्रामीण इलाकों में भी ईद-उल-अजहा हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। ईद की नमाज के बाद लोग एक दूसरे से गले मिले और मुबारकबाद दी। सुबह से छोटी-बड़ी मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ रही।

बिहार में तेजस्वी यादव के काफिले को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन सुरक्षाकर्मी घायल

वैशाली (बिहार)/भाषा। बिहार के वैशाली जिले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के काफिले की दो गाड़ियों को शुक्रवार देर रात को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस घटना में राजद नेता बाल-बाल बच गए लेकिन तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रक से उस गाड़ी को टक्कर नहीं लगी जिसमें राज्य विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष यादव सवार थे।

अधिकारी ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे की है जब यादव का काफिला गोरौल के पास पटना-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चाय पीने के लिए रुका था। अधिकारी ने बताया कि वे मधेपुरा से पटना लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''यादव को किसी भी तरह की चोट नहीं आई है। तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए और उन्हें नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। यादव भी अस्पताल पहुंचे और घायल कर्मियों का हालचाल जाना।'' अस्पताल में यादव ने पत्रकारों से कहा, ''दुर्घटना उस समय हुई जब हम मधेपुरा से पटना लौट रहे थे। हम गोरौल के पास चाय पीने के लिए रुके थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने मेरे काफिले की दो गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिससे तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मैंने जिला पुलिस और प्रशासन को तुरंत सूचित किया। दुर्घटना मेरे वाहन से सिर्फ पांच फुट की दूरी पर हुई।''

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है और वाहन को जब्त कर लिया है। यादव ने कहा, ''यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।'' वैशाली के पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''काफिले में शामिल दो सुरक्षाकर्मी और जिला पुलिस का एक जवान घायल हो गए। घायल हुए तीन पुलिसकर्मियों में से दो को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) भेजा गया है और एक का इलाज हाजीपुर के सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है।'' पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार, सभी घायल सुरक्षाकर्मी ''अब खतरे से बाहर हैं।'' उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने 'बड़े देश' के डर से सेना को रोका : पश्चिम बंगाल के मंत्री फिरहाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मंत्री फिरहाद हकीम ने शनिवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों को एक बड़े देश के डर से रोक दिया था, जिसके बाद भाजपा ने उन पर हमला करते हुए कहा कि वह पाकिस्तानी नेता की तरह बोल रहे हैं।

भाजपा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने पत्रकारों को दिए गए हकीम के कथित बयान का एक वीडियो संलग्न करते हुए निशाना साधा और उन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक हमला करने का आरोप लगाया। वीडियो में हकीम को संवाददाताओं से कहते हुए सुना गया, प्रधानमंत्री ने एक बड़े देश के डर से, एक कापुरुष' (डरपोक) की तरह, पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना के हमलों को रोक दिया था। प्रधानमंत्री कैसे दावा कर सकते हैं कि उन्होंने कोई बड़ा काम किया है? वे ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कैसे ले सकते हैं?

बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ सकता हूं, पर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नजर नहीं: चिराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को कहा कि वह केवल अपनी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 'स्ट्राइक रेट' को बेहतर बनाने के लिए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं, लेकिन उनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं है।

'स्ट्राइक रेट' से आशय कुल सीट जिस पर पार्टी ने चुनाव लड़ा है उसके सापेक्ष जीती गई सीट की संख्या के प्रतिशत से है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का 'स्ट्राइक रेट' बेहतर होने से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मदद मिलेगी। यहां पत्रकारों से बात करते हुए हाजीपुर के सांसद ने इस बात से भी दृढ़ता से इनकार किया कि उनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है। चिराग ने गठबंधन के भीतर गलतफहमी पैदा करने के प्रयासों पर अफसोस जताया। चिराग ने कहा, ''मैं चुनाव लड़ूंगा या नहीं, यह फैसला मेरी पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा लिया जाएगा। अगर मैं लड़ता भी हूं, तो यह कोई असाधारण बात नहीं होगी। यहां तक कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी अक्सर अपने राष्ट्रीय स्तर के नेताओं को राज्य के चुनाव लड़ने के लिए उतारा है।'' बिहार विधानसभा का चुनाव इस साल के अंत में होने वाला है। चिराग (42) ने कहा, ''मैं एक बात स्पष्ट कर दूं कि अगर मैं विधानसभा चुनाव लड़ता हूं, तो यह केवल मेरी पार्टी के लिए बेहतर 'स्ट्राइक रेट' सुनिश्चित करने के लिए होगा, जिससे राजग को मदद मिलेगी। मुझे यह देखकर दुख होता है कि गठबंधन के भीतर यह गलतफहमी पैदा करने की कोशिश की जा रही है कि मेरी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है।'' लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व अध्यक्ष चिराग पासवान ने 2020 के विधानसभा चुनाव में विद्रोह कर दिया था जिसके कारण जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) की सीट संख्या कम हो गई थी। चिराग ने कहा है कि वह भविष्यवाणी करते हैं कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग बिहार में अब तक की अपनी सबसे मजबूत सरकार बनाएगा।

भाजपा सरकार में पुलिस, तहसील और निर्माण कार्यों के बीच भ्रष्टाचार की प्रतियोगिता : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पुलिस, तहसील और निर्माण कार्यों के बीच भ्रष्टाचार की प्रतियोगिता चल रही है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने एक्स पर नई सड़क के टूटने का एक वीडियो साझा करते हुए पोस्ट में कहा, भ्रष्टाचारी भाजपा का निर्माण, भाजपा की तरह ही है : ऊपर से चमचम, अंदर से बेदम! सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सच्चाई तो ये है कि भाजपा सरकार में पुलिस, तहसील और निर्माण कार्यों के बीच 'करप्शन का कम्पटीशन' (भ्रष्टाचार की प्रतियोगिता) चल रहा है। उन्होंने दावा किया, सरकार के गुप्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जगह-जगह ऐसे अधिकारी चुन-चुनकर भेजे जा रहे हैं जो सरकार की चापलूसी में गलत काम करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उनके लिए न तो अपने जीवन का कोई सिद्धांत है, न किसी और के जीवन का कोई मोल।

यादव ने कहा, भाजपा सरकार में अधिकारी के दामन पर लगे दागों को, उसके तमगे माना जाता है। भाजपा में नीचे गिरना ही, ऊपर उठने की गारंटी है।

'मैच फिक्सिंग' टिप्पणी को लेकर भाजपा ने किया पलटवार, कहा;

राहुल जनता का समर्थन हासिल नहीं कर सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'मैच फिक्सिंग' वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि वह चुनावी प्रक्रिया में लोगों के विश्वास को कम करने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं।

केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी ने दावा किया कि राहुल आगामी चुनावों में अपनी पार्टी की हार को रोकने के लिए ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वह जनता का समर्थन हासिल नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर नये सिरे से हमला करते हुए आरोप लगाया था कि 2024 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव ''लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट'' है। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र की ''मैच फिक्सिंग'' अब आगे बिहार में होगी और वहां होगी जहां भाजपा हार रही है।

राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एक सुनियोजित साजिश के तहत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में हारने वाली है। भंडारी ने आरोप लगाया कि राहुल चुनावी प्रक्रिया में लोगों के विश्वास को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वह अपनी पार्टी के पक्ष में जनता का समर्थन हासिल करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता को ''लोकतंत्र विरोधी'' करार दिया।

कांग्रेस नेता के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, '' राहुल गांधी जानते हैं कि वह बिहार में हार रहे हैं और हमेशा की तरह उन्होंने एक सुनियोजित साजिश का सहारा लिया है: अपनी हार को रोकने के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करना।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''वह लोगों का विश्वास जीतने में विफल रहने के बाद अब चुनावी प्रक्रिया में ही लोगों के विश्वास को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।'' भंडारी ने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी लोकतंत्र विरोधी हैं।'' भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी के आरोपों की आलोचना करते हुए कहा कि वह जानबूझकर चुनाव प्रक्रिया के बारे में मतदाताओं के मन में संदेह और असंतोष के बीज बोने का बार-बार प्रयास कर रहे हैं।

असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार, नदियों में जलस्तर घटने का संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है क्योंकि ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख नदियों में जलस्तर घट रहा है, हालांकि राज्य के 18 जिलों में चार लाख से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकांश जिलों में बारिश कम हुई है और कुछ में छिटपुट बारिश हुई है, जिससे प्रमुख नदियों के जलस्तर में कमी आई है। धुबरी में ब्रह्मपुत्र, धरमतुल में कोपिली, हैलाकांडी के कटाखल में बराक नदी और श्रीभूमि में कुशियारा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

बाढ़ जनित घटनाओं में शनिवार को किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, हालांकि कामरूप (मेट्रो) जिले में एक व्यक्ति के लापता होने की खबर है। शनिवार की सुबह गुवाहाटी के रूपनगर इलाके में भूस्खलन हुआ और एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना है। भारी बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ की मौजूदा पहली लहर ने अब तक 21 लोगों की जान ले ली है।

बाढ़ के कारण 18 जिलों के 54 राजस्व हलकों (क्षेत्रों) के तहत 1,296 गांव प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा 16,558.59 हेक्टेयर कृषिभूमि अब भी जलमग्न है और 2,96,765 पशु प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण विस्थापित हुए 40,313 से अधिक लोगों ने 328 राहत शिविरों में शरण ली है, जबकि 1,19,001 लोगों को प्रभावित जिलों में स्थापित वितरण केंद्रों पर राहत प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को एक सप्ताह में दूसरी बार बराक घाटी का दौरा किया और लोगों को समय पर पुनर्वास अनुदान देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा उत्सव से पहले सड़कों जैसे क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत की जाएगी। ब्रह्मपुत्र नदी में आई बाढ़ के कारण यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) के विश्व धरोहर स्थल में शामिल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान का विशाल भूभाग जलमग्न हो गया है, जबकि पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य का 70 प्रतिशत हिस्सा ब्रह्मपुत्र और कोपिली नदियों में आई बाढ़ के पानी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

बाढ़ के कारण एक सींग वाले गैंडे सहित अन्य जानवरों तथा अन्य वन्यजीवों को आश्रय के लिए ऊंचे स्थानों पर जाना पड़ा है। एक अधिकारी ने कहा, ''वन कर्मी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और वन्यजीवों पर बाढ़ के प्रभाव को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।''

ऑर्केस्ट्रा समूहों से 14 लड़कियां छुड़ाई गई, एक गिरफ्तार

गोपालगंज/भाषा। बिहार के गोपालगंज जिले में कई स्थानों पर छापेमारी कर पुलिस ने विभिन्न ऑर्केस्ट्रा समूहों में शोषण की शिकार और जबरन नृत्य करने के लिए मजबूर की गईं 14 लड़कियों को मुक्त कराया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुक्त कराई गईं अधिकतर लड़कियां पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले की रहने वाली है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में एक ऑर्केस्ट्रा संचालक राकेश सिंह को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, ''खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जिला पुलिस और एक गैर सरकारी संगठन के सदस्यों ने बरौली, मछरीहट्टा और रतनसराय इलाकों में विभिन्न स्थानों पर संयुक्त रूप से छापेमारी की और 14 नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया। ये शोषण का शिकार थीं और ऑर्केस्ट्रा समूहों में इन्हें नृत्य करने के लिए मजबूर किया गया।'' इसमें कहा गया है, ''शुक्रवार को छापेमारी की गई, जिसके बाद पुलिस ने इस संबंध में ऑर्केस्ट्रा संचालक राकेश सिंह को गिरफ्तार किया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।''

बयान में कहा गया है कि अपराध में शामिल अन्य ऑर्केस्ट्रा संचालकों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

वृन्दावन में 20 लाख रुपए के हीरों के आभूषण से भरा थैला छीन ले गया बंदर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। वृन्दावन में ठाकुर बांके बिहारी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे अलीगढ़ के आभूषण कारोबारी अभिषेक अग्रवाल की जान उस समय सांसत में आ गई जब एक बंदर 20 लाख रुपए से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण से भरा उनका थैला छीनकर भाग गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

कोतवाली प्रभारी प्रशांत कपिल ने बताया कि अभिषेक अग्रवाल बृहस्पतिवार को परिवार के साथ ठाकुर जी की फूल-बंगला सेवा करने पहुंचे थे और वह शुक्रवार को लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि जब वह पार्किंग में थे तभी अचानक एक बंदर उनके हाथ से उनका थैला छीन कर ले गया जिसमें 20 लाख रुपए से अधिक कीमत के हीरों के आभूषण थे। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) संदीप सिंह ने बताया कि इसके बाद पुलिस ने बंदर की घेराबंदी कर घंटों की मशक्कत के बाद बैग सही सलामत हासिल कर उसके मालिक को सौंप दिया।

मुर्शिदाबाद हिंसा: पिता-पुत्र को घर से घसीटकर बाहर निकाला और परिवार के सामने हत्या कर दी-आरोपपत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पुलिस ने अपने 900 पृष्ठ के आरोपपत्र में कहा है कि मुर्शिदाबाद में सांप्रदायिक हिंसा के दौरान हरगोबिंदो दास और उनके बेटे चंदन को पहले उनके घर से खींचकर बाहर निकाला गया और फिर उनके परिवार के सामने कुल्हाड़ी से दोनों की हत्या कर दी गई।

एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जंगीपुर अदालत में दायर किए गए आरोपपत्र में तेरह लोगों के नाम हैं। जाफराबाद के बेतबोना गांव के हरगोबिंदो और चंदन उन तीन लोगों में शामिल थे, जो अप्रैल में मुस्लिम बहुल जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान भड़की सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए थे। अधिकारी ने कहा कि इन 13 लोगों पर शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अलावा भारतीय न्याय संहिता के तहत घर में अनधिकार प्रवेश, घर में सेंधमारी, दंगा करने और हत्या करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपपत्र में यह भी विस्तार से बताया गया है कि हत्या के बाद आरोपी व्यक्ति कैसे भागने में कामयाब रहे। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

मुर्शिदाबाद में आठ से 12 अप्रैल तक हुए सांप्रदायिक दंगे में संपत्तियों को व्यापक नुकसान पहुंचा, जिसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती का आदेश दिया था। हिंसा के सिलसिले में जिले के विभिन्न पुलिस थानों में 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद पुलिस ने अब तक 300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

सुविचार

राधा के बिना कृष्ण अधूरे नहीं थे, पर उनके साथ कृष्ण का हर पल पूर्णता से भरा था।

ट्वीट

पहले हर छोटी-मोटी जरूरतों के लिए किसानों को उधार लेना पड़ता था, मोदी सरकार में अब किसानों को किसी के सामने हाथ फैलाना नहीं पड़ता। आज मौसम की मार किसानों पर नहीं पड़ती, क्योंकि फसल नुकसान की पूरी भरपाई होती है।

-दीया कुमारी

जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए श्री लक्ष्मण सिंह लापोड़िया जी और श्री सुंडा राम वर्मा जी ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके व्यावहारिक अनुभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने स्थानीय ज्ञान और आधुनिक सोच को जोड़कर पर्यावरण संरक्षण की मजबूत नींव रखी है।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

भूल का अहसास

दिन के ढलने के साथ ही आसमान में बिखरे सूरज की किरणों के पीले और सिंदूरी रंग ने माहौल को जीवंत कर रखा था। कुछ देर बाद ही आसमान में तारों की टिमटिमाती रोशनी के बीच चाँद धीरे – धीरे अपना आकार लेने लगा था। लोग रात में भागते हुए समय के साथ अपने – अपने गंतव्य की ओर भाग रहे थे। लेकिन राजन का चेहरा बढ़ती हुई महत्वाकांक्षाओं और सपने के बीच उसके अपराध बोध की चुगली कर रहा था। उसके अंदर का पुरुष अपनी दुष्टता और स्वार्थ के साथ बाहर आ गया था। अचानक उसने अपने बेड से उठकर साइड टेबल पर रखे फोटोफ्रेम में से अपनी मंगेतर नेहा की फोटो निकाली और फाड़ दी। वह फोटो के फटे हुए टुकड़ों को कमरे की खिड़की से बाहर फेंकने से पहले रुका और कुछ सोचने लगा। अपने दिमाग में चल रहे सवालों के तूफान का कोई जवाब नहीं मिल पाने से वह खुद को टूटा हुआ महसूस कर रहा था। इसका दर्द उसकी आंखों में दिख रहा था।

वह यह बात अच्छी तरह जानता था कि वास्तविकता और व्यवहारिकता जीवन के दो अलग – अलग पहलू हैं। लेकिन जीवन भर दोनों एक दूसरे के समानांतर चलते हैं। उसके जीवन में अपने विवाह का निर्णय लेने का समय आ गया था। उसे खुद रिश्तों के दोराहे पर खड़े होकर समझ नहीं आ था कि किसका हाथ थामे ? राजन अपने बीते हुए समय को थाम लेना चाहता था। जो उसकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा और उसके लिए जिसकी यादें शेष थीं। ये यादें अतीत में उसके साथ बिताए लम्हों की गठरी लिए हुए उषा थी वहीं दूसरी ओर उसकी मंगेतर नेहा थी। राजन के निर्णय से इनमें से किसी एक की ज़िंदगी थम सी जाने वाली थी । और दूसरे की ज़िंदगी रफ्तार पकड़ने वाली थी। वह यह भी समझता था कि वह सामाजिक और पारिवारिक दायरे में रहते हुए उषा से विवाह नहीं कर सकता था। फिर भी वह नेहा से सगाई तोड़कर उषा से विवाह करने का सोचने लगा था। वह अपने संबंधों को लेकर उलझता जा रहा था। संबंधों की इसी उधेड़बुन में वह बेड पर लेटा हुआ अतीत की यादों में खो गया।

एक मध्यमवर्गीय परिवार का सदस्य राजन बचपन से ही मेधावी और महत्वाकांक्षी था। उसे जीवन में ठहराव पसंद नहीं था। अत्यंत ऊर्जावान राजन अपने कार्य कौशल से कम उम्र में ही कामयाबी के ऊंचे पायदान पर खड़ा था। अपने परिवारजनों के बार – बार कहने पर आखिरकार उसने पैंतीस वर्ष की आयु में अपने विवाह के लिए हामी भर दी थी। उसकी सहमति से पिछले वर्ष ही उसकी सगाई पास के ही शहर में हुई थी। उसकी मंगेतर नेहा मध्यमवर्गीय परिवार की सामाजिक मान्यताओं को मानने वाली सुन्दर लड़की थी। दोनों परिवार इस रिश्ते से बहुत खुश थे। नेहा और उसके परिवार वालों के मानो सपनों को पंख मिल गए थे। अपने कार्य की व्यस्तता के कारण वह सगाई के बाद नेहा से एक बार ही मिला था। नेहा ने भी यह मानते हुए कि जीवन भर दोनों को साथ ही रहना है , इस बात पर ज्यादा गौर नहीं किया ।

रोजाना की तरह वह उस दिन भी अपने ऑफिस की बिल्डिंग की लिफ्ट से निकलकर कार पार्किंग एरिया की तरफ जा रहा था। तभी उसने एक जानी पहचानी सी आवाज में अपने नाम को पुकारते हुआ सुना। उसने मुड़कर देखा तो वह आवाज कभी उसकी घनिष्ठ मित्र रही उषा की थी।वह उषा को लगभग दस वर्ष बाद देख रहा था। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता उषा उसके पास आकर कहने लगी कैसे हो राजन......देखो कैसा संयोग है.... मेरा ऑफिस भी इसी बिल्डिंग के दसवें फ्लोर पर है ...और तुम्हारा... राजन ने कहा पांचवें... उषा को वहां देखकर राजन को कुछ समझ नहीं आ रहा था। उसके माथे पर परेशानी की लकीरें उभर आई थीं। वह और उषा कॉलेज और यूनिवर्सिटी में सहपाठी थे। उषा के चेहरे पर उसकी स्वाभाविक मुस्कान और मासूमियत अभी भी मौजूद थी। लेकिन खूबसूरती की उस मूरत की सूनी कलाई और सूना माथा कुछ और हालात बयां कर रहे थे।

उषा को लम्बे समय बाद देखकर राजन के दिल में एक अजीब सी लहर दौड़ पड़ी। उसे आज भी याद था कि उसने उषा से कई बार अपने प्यार का इजहार किया था। उषा उसके प्यार को समझ ही नहीं पाई थी। उषा ने अपने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए लगभग दस वर्ष पहले एक अमीर परिवार के लड़के से विवाह कर लिया था। उषा के किनारा कर लेने से उसके अंदर बहुत कुछ दरक गया था। उसकी बेबसी आंखों में झलकती थी। बीतते समय के साथ वह जब भी पीछे मुड़कर देखता उसे ज़िंदगी में दूर तक खालीपन ही नजर आता था। मानो समय के साथ उसका बहुत कुछ छूटकर उससे दूर हो गया था।

उषा का इस शहर में आकर नौकरी करना राजन की समझ से परे था। वह अपनी भावनाओं पर काबू पाकर कार की ओर बढ़ गया। उषा को बस स्टॉप जाता देख राजन ने उसे उसके घर अपनी कार में छोड़ने का प्रस्ताव दिया। उषा बिना किसी ना नुकुर के इसके लिए तैयार हो गई। वह रास्ते में इतना ही जान पाया कि एक महीना पहले ही उषा अपना ट्रांसफर होने के बाद यहां आई थी। कुछ दिनों तक उसके दिमाग में उषा के प्रति तनाव और उनके बीच की दूरी कायम रही थी। समय के साथ उनके बीच की बर्फ पिघलने से स्थितियां सामान्य होने लगी थीं। ऑफिस की बिल्डिंग में उनकी अक्सर मुलाकात हो जाती थी। वह कभी उषा को कार में उसके घर भी छोड़ देता था। इस तरह उनकी मुलाकातों का सिलसिला फिर से शुरु हो गया था।

एक दिन ऑफिस से उषा को घर छोड़ते समय राजन ने उषा से उसके परिवार के बारे में पूछा। उषा बहुत देर तक शांत बैठी हुई कार से बाहर देखती रही। फिर उसने बताया कि उसके पति का किसी लाइलाज बीमारी से चार वर्ष पहले निधन हो गया था। उसके पांच वर्ष की एक पुत्री भी है। पति के निधन के बाद ससुराल वालों ने उससे संबंध नहीं रखे। वह एक कम्पनी में सेक्रेटरी की नौकरी करने लगी। पिछले महीने ही वह यहां आई थी । वह यहां पुत्री के साथ अपने पीहर परिवार से अलग रह रही थी। यह बताते हुए उषा की आंखों से आंसू ढुलकने लगे थे । राजन ने किसी तरह उषा को हिम्मत बंधाते हुए उसके घर छोड़ दिया। राजन के दिमाग में मार्मिक विचार तेजी से चलने लगे थे। उषा को देखकर कोई नहीं कह सकता था कि वह इतने बड़े हादसे का शिकार हो चुकी थी। उसके पति के न रहने से जीवन में अधूरापन आ गया था। उषा ने शायद अतीत से बाहर आकर जीना सीख लिया था।

उषा के व्यक्तित्व में एक अजीब सा आकर्षण था। राजन और उषा अपनी रोज की मुलाकातों से एक दूसरे के करीब आने लगे थे। राजन के दिल में उषा के लिए कभी शिद्दत से किया गया प्यार जीवित था। दोनों का ऑफिस में साथ में खाना खाना और हाथ में हाथ डाले घूमना उनके लिए सामान्य बात हो गई थी। समय के साथ धीरे – धीरे अतीत के भूले लम्हों के पक्षी फिर से उड़ान भरने लगे थे। वह खुद को उषा के साथ भावनात्मक रुप से बहुत खुश पाता था। वह उषा से मिलने के बहाने ढूंढने लगता। उसके आत्मविश्वास में शायद कमी आ गई थी। दोनों को उनके बीच पनपते संबंध का ज्ञान अच्छी तरह से था।

समय पंख लगाकर उड़ रहा था। राजन इस बात को भूल गया था कि कभी उषा द्वारा ही उसे किनारा कर भावनात्मक रुप से ठगा गया था। राजन फिर उषा के सौंदर्य में जकड़ा जा चुका था । वह उषा से विवाह करने के सपने देखने लगा था। वह हमेशा उसके बारे में ही सोचता रहता । वह उषा को फिर से खोना नहीं चाहता था। इस दौरान राजन ने एक बार भी नेहा के बारे में नहीं सोचा। अपने दिल और दिमाग में चल रहे नेहा और उषा को लेकर सवालों का उसके पास जवाब नहीं था। सभी परिस्थितियों को जानते हुए भी उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था।

अचानक घर के बाहर गुजरते हुए किसी वाहन के हॉर्न की तेज आवाज सुनकर राजन यादों के भंवर में से बाहर निकला। रात हो चुकी थी। अपने दिमाग में चल रहे सवालों के बवंडर लिए वह खाना खाने के बाद मां के कमरे में जाकर बेड पर लेट गया। एक अजीब सी बेचैनी के साथ उसकी चेतना जागृत होने लगी थी। उसे लगने लगा कि उसकी आत्मा उसे कचोट रही थी। वह ध्यान से अपनी आत्मा की आवाज सुनने लगा। जो कह रही थी राजन , तुम क्षणिक आवेश में आकर कोई ऐसा गलत कदम मत उठा लेना जिससे कई ज़िंदगियाँ तबाह हो जाएं ? जिसे तुम प्यार कह रहे हो वह सिर्फ आकर्षण है। तुमने पहले भले ही शिद्दत से उषा से प्यार किया होगा , लेकिन उषा ने तुमसे प्यार नहीं किया। तुम उस समय उसके लिए एक अच्छे दोस्त से ज्यादा कुछ नहीं थे। कल्पना करो कि अगर आज उषा का पति जीवित होता तो क्या वह उसे छोड़कर तुमसे विवाह कर लेती ? तुम उषा को अपना जीवनसाथी बनाने की सोच रहे हो। उषा को तुम्हारे जैसा अतीत का साथी मजबूत सहारे के रुप में मिल रहा है। तुम उसकी पुत्री को भी अपनाने के लिए तैयार हो। इसलिए वह तुमसे विवाह करने की इच्छुक है। तुम उषा के बिना नहीं रह सकते तुम्हारा यह कहना ही बेकार की बात है। तुम्हे अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना होगा। तुम्हारी बातों से लगता है कि जितना तुम उषा के बारे में सोचते हो इतना वह तुम्हारे बारे में नहीं सोचती । वरना वह अपने पति के निधन के बाद तुरंत तुमसे संपर्क कर चुकी होती ? तुमने अपने परिवार और नेहा के बारे में कभी नहीं सोचा ? जो तुम्हारे साथ घटित हो रहा है यदि ऐसा वाक़या नेहा के साथ घटित होता तो क्या वह जैसा तुम सोच रहे हो वैसा सोचकर तुम्हे छोड़ देती ? शायद नहीं।

नेहा ने तुम्हारे बारे में ज्यादा जाने बिना तुम्हारे साथ अपनी दुनिया बसाने के लिए हां भर दी। उसकी और उसके परिवार की खुशियों के बारे में तुमने नहीं सोचा ? तुम्हारे साथ हुए रिश्ते ने उनके सपनों को एक नई उड़ान दी है। नेहा से तुम्हारी सगाई टूटने के बाद हमारा समाज कमियां उसमें ही गिनाएगा। उसका कोई हाथ थामने के लिए आसानी से तैयार नहीं होगा। बेकसूर नेहा को तुम किन गुनाहों की सजा देना चाहते हो ? नेहा के परिवार वालों के साथ क्या बीतेगी ? उन सब के लिए जीने का मकसद और मायने ही बदल जाएंगे। उन सब लोगों के भविष्य के बारे कभी तुमने सोचा है ? नेहा की जगह अगर तुम होते तो तुम्हारे साथ क्या बीतती तुमने कभी नहीं सोचा ? मेरी तुम्हे यही नेक सलाह है कि उषा को जितना जल्दी हो भुलाकर नेहा के साथ विवाह कर नवजीवन की शुरुआत करो।

राजन इस हकीकत जानते हुए भी कुछ समझ नहीं पा रहा था। उसके दिमाग में आए भावनाओं के जलजले ने उसे झकझोर दिया । उसे अपनी भूल का अहसास होने लगा था। वह एक ऐसा अपराध करने जा रहा था जिसकी कल्पना वह अपने होश में रहते हुए भी नहीं कर सकता था। वह जल्दी से इस अपराध बोध से मुक्त हो जाना चाहता था। वह अपने माता – पिता, समाज और खुद के बीच विश्वास के सेतु को तोड़ना नहीं चाहता था। उसकी आंखों से आंसू टपकने लगे थे । वह नम आंखें लिए अपनी मां के कमरे में ही बेड पर नींद के आगोश में चला गया ।

उसकी मां के उसे उठाने से लम्बे अरसे बाद आई गहरी नींद से उसकी आंख खुली। सुबह हो चुकी थी। एक नई सुबह। उसने मां के कमरे की खिड़की से बाहर देखा। दीवारों पर चिपके धूप के टुकड़ों में सब खिला – खिला लग रहा था। कल अपनी आत्मा की आवाज सुनने के बाद उसने जीवन का अर्थ समझकर अपने हर सवाल का जवाब पा लिया था। उसका खोया हुआ आत्मविश्वास लौटने से उसके दिल और दिमाग से अपराध बोध हट चुका था। उसकी आंखों में विश्वास और उल्लास के हजारों दीये एक साथ जल उठे थे। उसके सद्बुद्धि खुद ब खुद जागृत हो गई थी। एक लम्बी काली रात के बाद सुनहरी नई सुबह हो चुकी थी।राजन के मोबाइल फोन पर उषा की कॉल बार – बार आ रही थी। उसने उन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया । राजन ने अपनी मां को नेहा के परिवार वालों को उसके और नेहा के विवाह की तारीख जल्दी निकलवाने और उसकी तैयारी करने का फोन करने के लिए कहा और अपने कमरे में आकर जमीन पर बिखरी पड़ी नेहा की फोटो के टुकड़ों को मिलाकर उसकी फोटो पूरी बनाने में लग गया।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

यथार्थ की कल्पना

कल्पनालोक.., एक शब्द जो प्रेरित करता है अपनी कल्पना का एक जगत तैयार कर उसमें विचरण करने के लिए। यूँ देखें तो कल्पना अभी है, कल्पना अभी नहीं है। इस अर्थ में इहलोक भी कल्पना का ही विस्तार है। कहा गया है, 'ब्रह्म सत्यं, जगन्मिथ्या' किंतु घटता इसके विपरीत है। सामान्यत: जीवात्मा, मोहवश ब्रह्म को विस्मृत कर जगत को अंतिम सत्य मानने लगता है। सिक्के का दूसरा पक्ष है कि वर्तमान के अर्जित ज्ञान को आधार बनाकर मनुष्य भविष्य के सपने गढ़ता है। सपने गढ़ना अर्थात कल्पना करना। कल्पना अपनी प्रकृति में तो क्षणिक है पर उसके गर्भ में कालातीत होने की संभावना छिपी है।

शब्द और उसके अर्थ के अंतर्जगत से निकलकर खुली आँख से दिखते वाह्यजगत में लौटते हैं।

वाह्यजगत में सनातन संस्कृति जीवात्मा को चौरासी लाख योनियों में परिक्रमा कराती है। लख चौरासी के संदर्भ में पद्मपुराण कहता है,

जलज नव लक्षाणि, स्थावर लक्ष विंशति:, कृमयो रुद्रसंख्यक:। पक्षिणां दश लक्षाणि त्रिंशल लक्षाणि पशव: चतुर्लक्षाणि मानव:।

अर्थात 9 लाख जलचर, 20 लाख स्थावर पेड़-पौधे, 11 लाख सरीसृप, कीड़े-मकोड़े, कृमि आदि, 10 लाख पक्षी/ नभचर, 30 लाख पशु/ थलचर तथा 4 लाख मानव प्रजाति के प्राणी हैं।

सोचता हूँ जब कभी घास-फूस-तिनका बना तब जन्म कहाँ पाया था? किसी घने जंगल में जहाँ खरगोश मुझ पर फुदकते होंगे, हिरण कुलाँचे भरते होंगे, सरीसृप रेंगते होंगे। हो सकता है कि फुटपाथ पर पत्थरों के बीच से अंकुरित होना पड़ा हो जहाँ अनगिनत पैर रोज मुझे रौंदते होंगे। संभव है कि सड़क के डिवाइडर में शोभा की घास के रूप में जगत में था, जहाँ तय सीमा से ज़रा-सा ज़्यादा पनपा नहीं कि सिर धड़ से अलग।

जलचर के रूप में केकड़ा, छोटी मछली से लेकर शार्क, ऑक्टोपस, मगरमच्छ तक क्या-क्या रहा होऊँगा! कितनी बार अपने से निर्बल का शिकार किया होगा, कितनी बार मेरा शिकार हुआ होगा।

पेड़-पौधे के रूप में नदी किनारे उगा जहाँ खूब फला-फूला। हो सकता है कि किसी बड़े शहर की व्यस्त सड़क के किनारे खड़ा था। स्थावर होने के कारण इसे ऐसे भी कह सकता हूँ कि जहाँ मैं खड़ा था, वहाँ से सड़क निकाली गई। कहने का तरीका कोई भी हो, हर परिस्थिति में मेरी टहनियों ने जब झूमकर बढ़ना चाहा होगा, तभी उनकी छंटनी कर दी गई होगी। विकास से अभिशप्त मेरा कभी फलना-फूलना न हो सका होगा। स्वाभाविक मृत्यु भी शायद ही मिली होगी। कुल्हाड़ी से काटा गया होगा या ऑटोमेटिक आरे से चीर कर वध कर दिया होगा।

सर्प का जीवन रहा होगा, चूहे और कनखजूरे का भी। मेंढ़क था और डायनासोर भी। केंचुआ बन पृथ्वी के गर्भ में उतरने का प्रयास किया, तिलचट्टा बन रोशनी से भागता रहा। सुग्गा बन अनंत आकाश में उड़ता घूमा था या किसी पिंजरे में जीवन बिताया होगा जहाँ से अंतत: देह छोड़कर ही उड़ सका।

माना जाता है कि मनुष्य जीवन, आगमन-गमन के फेरे से मुक्ति का अवसर देता है। जानता हूँ कि कर्म ऐसे नहीं कि मुक्ति मिले। सच तो यह है कि मैं मुक्ति चाहता भी नहीं।

चाहता हूँ कि बार-बार लौटूँ इहलोक में। हर बार मनुज की देह पाऊँ। हर जन्म लेखनी हाथ में हो, हर जन्म में लिखूँ, अनवरत लिखूँ, असीम लिखूँ।

इतना लिखूँ कि विधाता मुझे मानवमात्र का लेखा लिखने का काम दे। तब मैं मनुष्य के भीतर दुर्भावना जगाने वाले पन्ने कोरे छोड़ दूँ। दुर्भावनारहित मनुष्य सृष्टि में होगा तो सृष्टि परमात्मा के कल्पनालोक का जीता-जागता यथार्थ होगी।

चाहता हूँ कि इस कल्पना पर स्वयं ईश्वर कहें, 'तथास्तु।'

बोध कथा

तीन पुतले

महाराजा चन्द्रगुप्त का दरबार लगा हुआ था। सभी सभासद अपनी अपनी जगह पर विराजमान थे। महामन्त्री चाणक्य दरबार की कार्यवाही कर रहे थे। महाराजा चन्द्रगुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज़ एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पूछने पर कि क्या नया है; पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखें हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं, दूसरे का मूल्य एक हज़ार मोहरे हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है। सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार के उसने सभासदों को पुतले दिये और कहा कि इन में क्या अन्तर है मुझे बताओ। सभासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुत्थी को सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं तो उस ने वही प्रश्न अपने गुरू और महामन्त्री चाणक्य से पूछा।

चाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आगया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो।

चन्द्रगुप्त के पूछने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें है। कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हज़ार मोहरें है। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

वीर गाथा

मेजर दिग्विजय सिंह रावत : खुफिया नेटवर्क बिछाकर तोड़ी उग्रवादी समूहों की कमर

मेजर दिग्विजय सिंह रावत का जन्म 27 जुलाई, 1990 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के श्रीनगर में हुआ था। माता विजयलक्ष्मी रावत और पिता दिगम्बर सिंह रावत के बहादुर बेटे दिग्विजय उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के धूमाकोट क्षेत्र से हैं। उनका परिवार नगर क्षेत्र के डांग स्थित घर में रहता है। दिग्विजय वायुसेना में भर्ती होना चाहते थे, लेकिन उन्हें थल सेना भर्ती में सफलता मिली। उन्हें पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज) की 21वीं बटालियन में शामिल किया गया। उन्होंने उत्तर-पूर्व में उग्रवाद को कुचलने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मेजर दिग्विजय सिंह ने मणिपुर में उग्रवाद को नकेल डालने के लिए खुफिया नेटवर्क स्थापित किया था। इससे वहां मौजूद कई उग्रवादी पकड़े गए और उनकी साजिशों का पता चला। 5 जनवरी, 2023 को एक ऑपरेशन के दौरान मेजर दिग्विजय को खुफिया जानकारी मिली कि वीबीआईजी, मणिपुर एक वीआईपी को निशाना बनाने की साजिश कर रहे हैं। उस जानकारी के आधार पर दिग्विजय ने खास योजना बनाई, ताकि उग्रवादी अपने निशाने को लेकर गुमराह हो जाएं। मेजर दिग्विजय के एक सूत्र ने उग्रवादी समूह को उस इलाके में पहुंचा दिया, जहां अपने ही लोगों द्वारा चुनौती दिए जाने पर उग्रवादियों ने स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी थी। इधर उग्रवादियों में भिड़ंत जारी रही, उधर दिग्विजय ने अपने साथी जवानों को आगे बढ़ा दिया। वे खुद भी रेंगते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़े तथा उग्रवादियों के एक कुख्यात 'कैप्टन' को मार गिराया। उन्होंने शानदार सैन्य कौशल दिखाते हुए एक और उग्रवादी को बुरी तरह घायल कर दिया। ये दोनों ही उग्रवादी असम राइफल्स के जवानों पर किए गए हमले के मास्टरमाइंड थे।

इसी तरह 26 मार्च, 2023 को एक और ऑपरेशन के दौरान मेजर दिग्विजय को वीबीआईजी उग्रवादियों की घुसपैठ के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। उन्होंने अपने खुफिया नेटवर्क को सक्रिय किया और उग्रवादियों पर कड़ी नजर रखी। इसका नतीजा यह रहा कि तीन खूंखार उग्रवादियों को दबोच लिया गया। मेजर दिग्विजय सिंह रावत को कर्तव्य के प्रति समर्पण, अदम्य साहस और सामरिक कौशल के लिए 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पूजा-अर्चना

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी पत्नी मृदुला प्रधान के साथ शनिवार को उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में पूजा-अर्चना करते हुए।

क्यों मस्क और ट्रंप के संबंधों में आ रही खटास?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऑर्मस्कर्क (ब्रिटेन)। इस तरह से रिश्ता टूटना अच्छा नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क हमेशा से ही अमेरिका के दो बड़े चेहरे रहे हैं और ये दोनों अपने-अपने रास्तों पर चलना पसंद करते थे। कुछ वक्त पहले तक दो बड़े लोग साथ आने की कोशिश कर रहे थे लेकिन अब दोनों के रिश्ते में खटास आ चुकी है।

कुछ ही सप्ताह पहले आई एक तस्वीर लोगों के जहन में छप सी गयी थी, जिसमें एलन मस्क ओवल ऑफिस में बैठे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पीछे उनकी परछाई बनकर खड़े थे। हाथ जोड़े ट्रंप को मस्क को देखने के लिए पीछे मुड़ना पड़ रहा था। अपने चार वर्षीय बेटे के साथ बिल्कुल शांत खड़े मस्क का व्यक्तित्व आकर्षक और क्षमता व प्रभुत्व से भरे विकासवादी होने का संकेत देता है। अमेरिका के ये दो बड़े चेहरे ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद एक साथ आए थे भले ही इनमें खुद को लेकर कितना ही अंहकार क्यों न हों। मस्क को ट्रंप का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया और वह सरकार के दक्षता विभाग के प्रमुख थे, जो सरकार के अतिरिक्त धन और अपव्यय को कम करने के लिए गठित किया गया था। मस्क कुछ समय के लिए सरकार के बड़े सहयोगी रहे। ट्रंप और मस्क के साथ आने से बहुत सारे नौकरशाहों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा और उन्हें अपने पद गंवाने पड़े। जिस तरह से एक तेज रफ्तार कार अपने सामने आने वाली हर चीज को कुचल देती है, ठीक वैसे ही मस्क और ट्रंप की जोड़ी आगे बढ़ रही थी, लेकिन जब तेज रफ्तार कार सड़क पर किसी अवरोधक से टकराते तो पूरी गाड़ी हिल जाती है, कुछ ऐसा ही ट्रंप और मस्क की जोड़ी के साथ हुआ। शायद किसी की कल्पना से भी परे।

ट्रंप और मस्क के संबंधों में खटास पर लोगों की अलग-अलग राय है। कई लोगों ने टेस्ला की बिक्री में भारी गिरावट की ओर इशारा किया, जिसका मुनाफा एक तिमाही में 71 प्रतिशत तक गिर गया और मस्क की प्रतिष्ठा पर इसका अप्रत्याशित प्रभाव पड़ा।

ट्रंप और मस्क के संबंधों में खटास से टेस्ला के शेयरों की कीमत में भी तेजी से गिरावट आई है, क्योंकि निवेशक घबरा गए हैं। इसके अलावा टेस्ला शोरूम पर हमले की खबरों ने भी निवेशकों की नींद उड़ा रखी है।

बहुत से लोगों ने ट्रंप द्वारा हाल ही में पेश किये कर कटौती विधेयक को कारण माना है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों के मालिकों को नुकसान होगा। इसके अलावा ट्रंप द्वारा प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' एंटी-मिसाइल रक्षा प्रणाली में स्पेस एक्स की संभावित भागीदारी पर वाशिंगटन में मचे राजनीतिक घमासान को भी एक कारण माना जा रहा है।

हालांकि, व्हाइट हाउस के पूर्व रणनीतिकार स्टीव बैनन का कहना है कि संबंधों में खटास आने का असली संकेत तब मिला, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने मस्क को चीन के साथ किसी भी संभावित युद्ध की स्थिति में पेंटागन की हमले की योजना दिखाने से इनकार कर दिया।

बैनन के अनुसार, राष्ट्रपति का सबसे अच्छा दोस्त होने से ही आप कुछ हासिल कर सकते हैं और दोनों की दोस्ती के अंत की शुरुआत थी।

दुनिया के सबसे छोटे देश वेटिकन का कैसे चलता है खर्च, नये पोप कैसे बढ़ा सकते हैं आमदनी

वैटिकन सिटी/एपी

दुनिया के सबसे छोटे देश वेटिकन के सामने बजट की बड़ी समस्या है।

वेटिकन अपने निवासियों पर कर नहीं लगाता है या बांड जारी नहीं करता है। रोमन कैथोलिक चर्च की केंद्रीय सरकार मुख्य रूप से दान से चलती है, जिसमें लगातार गिरावट हो रही है।

इसके अलावा वैटिकन संग्रहालयों के लिए टिकट बिक्री, निवेश से होने वाली आय और रियल एस्टेट से कुछ आमदनी हो जाती है। रोमन कैथोलिक चर्च और वेटिकन सिटी की केंद्रीय प्रशासनिक संस्था 'होली सी' के मुताबिक 2021 में उसकी आमदनी 87.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी। हालांकि खर्च इससे ज्यादा था।

पोप लियो 14वें के सामने सबसे बड़ी चुनौती वेटिकन को घाटे से बाहर निकालने की है।

कोई भी वेटिकन को पैसे दान कर सकता है, लेकिन नियमित स्रोत दो मुख्य रूपों में आते हैं। कैनन कानून के अनुसार दुनिया भर के बिशपों को वार्षिक शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। वेटिकन के आंकड़ों के अनुसार सालाना एकत्र किए गए 2.2 करोड़ डॉलर में एक तिहाई से अधिक का योगदान अमेरिकी बिशपों ने दिया।

वार्षिक दान का दूसरा मुख्य स्रोत आम कैथोलिकों के लिए अधिक जाना-पहचाना है- 'पीटर्स पेंस'। यह एक विशेष संग्रह है, जो आमतौर पर जून के आखिरी रविवार को लिया जाता है। अमेरिका से इस मद में औसतन 2.7 करोड़ डॉलर मिले, जो वैश्विक संग्रह के आधे से अधिक है। हालांकि इसमें लगातार गिरावट हो रही है।

वेटिकन के अपने संस्थान भी लगातार अपना अंशदान कम कर रहे हैं। कैथोलिक यूनिवर्सिटी ऑफ अमेरिका के बिजनेस स्कूल में चर्च प्रबंधन कार्यक्रम के निदेशक रॉबर्ट गहल ने कहा कि लियो को अमेरिका के बाहर से दान जुटाना होगा, जो कोई छोटा काम नहीं है। उन्होंने कहा कि यूरोप में व्यक्तिगत रूप से परोपकार की परंपरा (और कर लाभ) बहुत कम है।

वेटिकन के पास इटली में 4,249 संपत्तियां हैं। इसके अलावा लंदन, पेरिस, जिनेवा और स्विट्जरलैंड में 1,200 से अधिक संपत्तियां हैं। इनका लगभग पांचवां हिस्सा ही उचित बाजार मूल्य पर किराए पर दिया जाता है। लगभग 70 प्रतिशत से कोई आय नहीं होती है, क्योंकि उनमें वेटिकन या अन्य चर्च कार्यालय हैं। बाकी 10 प्रतिशत को वेटिकन कर्मचारियों को कम किराए पर दिया जाता है। वर्ष 2023 में, इन संपत्तियों से केवल 3.99 करोड़ डॉलर का लाभ हुआ।

अमेरिका स्थित पापल फाउंडेशन के अध्यक्ष वार्ड फिटजगेराल्ड ने कहा कि वेटिकन को भी कुछ संपत्तियां बेचने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिनका रख-रखाव करना बहुत महंगा है।

चुनौती इसलिए भी बड़ी है, क्योंकि अमेरिका और यूरोप के कुछ हिस्सों में चर्च जाने वाले कैथोलिकों की संख्या घट रही है और कभी भरे रहने वाले चर्च खाली हो गए हैं।

तालिबान के शीर्ष अधिकारी ने देश छोड़कर भागे अफगानियों से लौटने का आग्रह किया

काबुल/एपी। तालिबान के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को कहा कि अमेरिका समर्थित पिछली सरकार के पतन के बाद देश छोड़कर भागे सभी अफगान नागरिक घर लौटने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने वादा किया कि अगर अफगान नागरिक वापस आते हैं तो उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा। तालिबान के प्रधानमंत्री मोहम्मद हसन अखुंद ने ईद-उल-अजहा के मौके पर अपने संदेश में माफी की पेशकश की।

अफगानिस्तान में ईद-उल-अजहा को 'बलिदान का पर्व' भी कहा जाता है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफगानिस्तान सहित 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध की घोषणा की थी, जिसके कुछ दिनों बाद तालिबान ने माफी की यह पेशकश की। ट्रंप की इस घोषणा से उन अफगानी नागरिकों की उम्मीदों को झटका लगा है, जो स्थायी रूप से अमेरिका में बसने की सोच रहे थे या फिर विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए अस्थायी रूप से अमेरिका

ट्रंप ने जनवरी में एक मुख्य शरणार्थी कार्यक्रम को भी निलंबित कर

मोदी सरकार की उपलब्धियां सराहनीय, 11 साल में बदली देश की सोच : सुभाष घई

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 11 सालों में न केवल देश के लिए विकास के रास्ते खोले, बल्कि लोगों की सोच को भी सकारात्मक बनाया। घई ने कहा कि मोदी सरकार ने देश को देशभक्ति और आत्मविश्वास से भर दिया है। सुभाष घई ने अपनी फिल्म 'कांची' का जिक्र करते हुए बताया कि 11 साल पहले उन्होंने यह फिल्म बनाई थी, जिसमें एक गाना था, सारे जहां से अच्छा, वो हिंदुस्तान कहां है उस समय देश में निराशा का माहौल था। लेकिन, साल 2014 में मोदी सरकार के आने के बाद बदलाव की उम्मीद जगी।

घई ने कहा, पीएम मोदी सिर्फ देश का विकास नहीं चाहते, बल्कि वे लोगों की सोच बदलना चाहते हैं। वे राष्ट्र को और भी मजबूत बनाना चाहते हैं, जो मुझे बहुत पसंद आया। उन्होंने कहा कि इन 11 सालों में बुनियादी ढांचे, तकनीक, रक्षा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति हुई है। सरकार का विजन 2047 तक का है, जो दीर्घकालिक और मजबूत है। घई ने कहा, आज हमारा देश देशभक्ति से भरा है। कोई दुश्मन हमें चुनौती नहीं दे सकता। हमारी शिक्षा प्रणाली और बच्चों की सोच में बदलाव आया है। आज हमारा देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष पर पहुंचने की ओर बढ़ रहा है।

घई ने याद किया कि 1947 में आजादी के समय भारत को गरीब देश माना जाता था, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा, पहले विदेशों में हमें गरीब देश के नागरिक के तौर पर देखा जाता था। आज हमें सम्मान मिलता है। लोग हमें उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक के रूप में देखते हैं।

उन्होंने इस प्रगति के लिए पीएम मोदी और उनकी सरकार को बधाई दी। उन्होंने बताया, मोदी सरकार की उपलब्धियां सराहनीय हैं। देश अब सुरक्षित और ताकतवर है, और नागरिकों में आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव न केवल बुनियादी ढांचे में हुआ है, बल्कि लोगों की सोच में भी आया है। ये देश के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव है।

'भूल चूक माफ' की प्राइम वीडियो पर होगी ग्लोबल स्ट्रीमिंग

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने आज अपने नए कॉमेडी ड्रामा 'भूल चूक माफ' की एक्सक्लूसिव ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की। फिल्म भूल चूक माफ दिनेश विजन द्वारा प्रस्तुत की गयी है, जो अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के साथ मिलकर बनी है। 'भूल चूक माफ' मैडॉक फिल्म्स का प्रोडक्शन है, जिसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है, जबकि करण शर्मा और हैदर रिज़वी ने इसे लिखा है। राजकुमार राव, वामीका गब्बी, धनश्री वर्मा, संजय मिश्रा और रघुवीर यादव जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म एक अतरंगी कहानी है, जहां प्यार और ऊपरवाले का हिसाब-किताब एकदम अनोखे अंदाज़ में टकराते हैं। यह फिल्म 06 जून से केवल प्राइम वीडियो पर भारत ही नहीं, बल्कि 240 से ज़्यादा देशों और क्षेत्रों में एक साथ स्ट्रीम होने जा रही है।

राजकुमार राव ने कहा, मुझे भूल चुक माफ़ की ओर खींचने वाली सबसे दिलचस्प बात थी रंजन की कहानी की मज़ेदार और उतार चढ़ाव वाली राह। रंजन एक सीधा-सादा आदमी है, जिसके बड़े सपने हैं।

लेकिन एक भूला हुआ वादा उसकी ज़िंदगी को पूरी तरह उलट-पुलट कर देता है, और यहीं से शुरू होती है मज़ेदार उथल-पुथल। मेरा किरदार कई परतों वाला है, जिसे निभाना चुनौतीपूर्ण भी था और बहुत संतोषजनक भी। अब तक इस फिल्म को जो प्यार और सराहना मिली है, वो दिल छू लेने वाला है। मुझे खुशी है कि अब ये कहानी प्राइम वीडियो पर दुनियाभर के दर्शक देख पाएंगे।

वामीका गब्बी ने कहा, 'भूल चूक माफ़' पर काम करना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा। इस फिल्म की कहानी में एक मासूमियत है, जो शुरू से ही मेरा ध्यान खींच गई। ये फिल्म भारतीय रोमांस की पुरानी मिठास को एक नए और ताज़ा अंदाज़ में दिखाती है। थिएटर्स में इसे जबरदस्त प्यार मिला है, और अब जब 'भूल चूक माफ़' प्राइम वीडियो पर आ रही है, तो मुझे बेहद खुशी है कि ये जादुई कहानी अब दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगी, जिसमें प्यार, विश्वास और प्रायश्चित की खूबसूरत झलक है।

'सरदार 2' की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंचीं मालविका मोहनन

चेन्नई/एजेन्सी

मलयालम और हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन अपनी अपकमिंग तमिल फिल्म 'सरदार 2' की शूटिंग के लिए बैंकॉक पहुंच चुकी हैं। जासूसी-थ्रिलर फिल्म में वह अभिनेता कार्थी और राजिशा विजयन के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मालविका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर बैंकॉक के सेट से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह शूटिंग की तैयारी करती दिखीं। सूत्रों के अनुसार, फिल्म की टीम इस आखिरी शेड्यूल में कुछ रोमांचक एक्शन सीन्स और एक खास गाने को शूट कर रही है। 'सरदार 2' साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है, जिसे निर्देशक पी.एस. मित्रन बना रहे हैं। मालविका ने प्रशंसकों के साथ एक सोशल मीडिया सीजन के दौरान बताया था कि वह जून में इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इस

फिल्म की शूटिंग 100 दिनों से अधिक समय से चल रही है और अप्रैल में टीम ने 100 दिन पूरे किए थे।

निर्देशक मित्रन ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्सा शूट होना बाकी है और डबिंग का काम भी साथ-साथ चल रहा है। इवेंट में पता चला कि अभिनेता एसजे सूर्या फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। उनके किरदार का नाम 'ब्लैक डैगर' है। 'सरदार 2' में कार्थी, एसजे सूर्या और राजिशा विजयन, मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और सजल अहमद भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'सरदार 2' में जॉर्ज विलियम्स ने सिनेमैटोग्राफी और सैम सीएस ने संगीत दिया है। फिल्म के स्टंट को कोरियोग्राफ दिलीप सुब्बारायन ने किया है और सीक्वल की कहानी एमआर पोन, रोजू बिपिन रागु और गीवी ने लिखी है। फिल्म की कहानी में कार्थी के किरदार को कंबोडिया और फिर चीन में जासूस के रूप में मिशन पर भेजा जाता है। निर्माताओं ने हाल ही में एक प्रोमो जारी किया था, जिसमें अभिनेता एस.जे. सूर्या को खलनायक 'ब्लैक डैगर' के रूप में दिखाया गया। फिल्म में कार्थी दोहरी भूमिका में हैं, जबकि मालविका का किरदार अभी गोपनीय रखा गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो 'सरदार 2' के अलावा, मालविका के पास प्रभास स्टारर 'द राजा साब' और 'हृदयपूर्णम' भी है।

खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र बाधा नहीं : मनीषा कोइराला

मुंबई/एजेन्सी

कैंसर से जंग जीत चुकीं अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने प्रशंसकों को प्रेरित करते हुए कहा है कि खुद की देखभाल शुरू करने के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है। 54 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी जिम की तीन तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ एथलीजर पहने नजर आईं। उन्होंने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए शरीर, मन और आत्मा की देखभाल को प्राथमिकता देने की बात कही। शेयर की गई तस्वीरों के साथ मनीषा ने कैप्शन में लिखा, शायद मुझे यह समझने में थोड़ा वक्त लगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह से अपनी

सेहत और खुशी के लिए समर्पित हूं, मैंने ध्यान देना शुरू कर दिया है। मनीषा ने जीवन में उन्हें फिटनेस और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिए के लिए प्रेरित करने वाली दोस्त नमग्याल सिंह का आभार जताते हुए कहा, जीवन में ऐसी बेहतरीन दोस्त को पाकर धन्य हूं, जो मुझे प्रेरित करती है। वह न केवल फिटनेस में बल्कि इस बात में भी कि कैसे वह जीवन के सबसे कठिन समय को ताकत और मुस्कान के साथ हरा देती हैं। मेरी दोस्त की ताकत और मुस्कान मुझे सिखाती है कि मुश्किल वक्त को भी हिम्मत से पार किया जा सकता है।

1991 में फिल्म 'सौदागर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली मनीषा 90 के दशक की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। '1942: ए लव स्टोरी', 'दिल से', 'खामोशी: द म्यूजिकल' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें खूब शोहरत दिलाई। मनीषा हाल ही में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आई थीं।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना गर्व की बात : फहीम-अर्सलान

मुंबई/एजेन्सी

कश्मीरी संगीत कलाकार फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निज़ामी का कहना है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना उनके लिये गर्व की बात है। यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) और चर्चित निर्देशक मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म 'सैयारा', जिसमें नवोदित कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आएंगे, 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित प्रेमकथा मानी जा रही है। मंगलवार को वाईआरएफ ने फिल्म का टाइटल ट्रैक जारी किया, जिसे दर्शकों से ज़बरदस्त सराहना मिली। साथ ही यह भी सामने आया कि इस गाने के ज़रिए दो कश्मीरी संगीत कलाकार फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निज़ामी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में पदार्पण किया है। मोहित सूरी द्वारा खासतौर पर चुने गए फैहीम अब्दुल्ला ने इस आत्मीय और खूबसूरत टाइटल ट्रैक को अपनी आवाज़ दी है, जो उनकी समृद्ध गायन प्रतिभा को दर्शाता है। गाने का संगीत तनिष्क बागची, अर्सलान और फहीम ने मिलकर तैयार किया है, जबकि इसके दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं मशहूर गीतकार इरशाद कामिल ने। फहीम अब्दुल्ला ने कहा, हमें 'सैयारा' से संगीत के

ज़रिए हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है, यह हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। हमारा राज्य बेहद खूबसूरत है और यहां के लोग और कलाकार अद्भुत हैं।

यह देखकर बहुत खुशी होती है कि दो कश्मीरी लड़कों ने मेहनत से इस सपने को सच किया है और अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारे लोग हम पर गर्व करें, और यह हमारे लिए बहुत भावुक क्षण है कि मेरे गाने के साथ 'सैयारा' के प्रचार अभियान की शुरुआत हो रही है। यह मेरे लिए, मेरे परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों के लिए अत्यंत भावुक पल है। 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक अब तक सुने गए सबसे शुद्ध गीतों में से एक है और मैंने इसे तनिष्क बागची और मोहित सूरी जैसे संगीत दिग्गजों के मार्गदर्शन में अपना सब कुछ झोंक कर गाया है। मैं यह पल अपने दोस्त अर्सलान के साथ साझा करता हूँ,बिना जिसके यह जादू अधूरा रहता। अर्सलान निज़ामी ने कहा, यदि किसी ने मुझसे कुछ साल पहले कहा होता कि मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में किसी बड़ी फिल्म के लिए गाना कंपोज़ करने का मौका मिलेगा, तो मैं यकीन नहीं करता। और यह तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे मोहित सूरी की फिल्म में संगीत देने का मौका मिलेगा! यह मेरे करियर का बेहद खास पल है और मैं बेहद खुश और गर्वित हूं।

फहीम जैसे प्रतिभाशाली साथी और तनिष्क बागची के साथ मिलकर बनाया गया यह गाना 'सैयारा' के प्रमोशनल अभियान की शुरुआत कर रहा है,यह किसी सपने से कम नहीं। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है। मैं अवाक हूं। दो कश्मीरी लड़के मुंबई में हैं और पूरे देश को दिखा रहे हैं कि हम क्या कर सकते हैं। इस पर गर्व होता है।

हम आने वाले समय में और भी कड़ी मेहनत करेंगे ताकि हमारा राज्य हम पर और गर्व करे। मैं मोहित सूरी सर का दिल से धन्यवाद करता हूं, उन्होंने हम पर अटूट विश्वास रखा। उन्होंने हमें उड़ने के लिए पंख दिए हैं। वाईआरएफ के सीईओ अक्षय विधानी द्वारा निर्मित 'सैयारा' 18 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

सान्या मल्होत्रा ने 'मिसेज' में अपनी भूमिका के लिए जीता पीपुल्स च्वाइस स्टार ऑफ द ईयर सम्मान

मुंबई/एजेन्सी

स्टार परफॉर्मर सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर सबका दिल जीत लिया, जब उन्हें एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड इवेंट में पीपल्स चॉइस स्टार ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपनी सच्ची और सहज अभिनय शैली तथा हालिया फिल्म 'मिसेज़' में प्रभावशाली किरदार के लिए जानी जाने वाली सान्या की यात्रा एक पावर परफॉर्मर से लेकर फैंस की फेवरेट बनने तक प्रेरणादायक रही है। सान्या ने इस सम्मान को लेकर एक भावुक और आभार भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा: मिसेज के लिए पीपुल्स च्वाइस स्टार ऑफ द ईयर अवार्ड से मुझे सम्मानित करने के लिए बॉलीवुड हंगामा का धन्यवाद। मैं अपनी टीम और उन सभी अद्भुत लोगों के प्यार, प्रेरणा और निरंतर समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं, जिन्होंने 'मिसेज़' से गहराई से जुड़ाव महसूस किया। काफ़ी ख़ुशी है। रेड कार्पेट पर सान्या मल्होत्रा का लुक वाकई में लाजवाब थावो बेहद आकर्षक और स्वाभाविक रूप से खूबसूरत दिख रही थीं। उनकी खूबसूरती और सहज शैली ने शाम की शोभा बढ़ा दी, और यही आकर्षण उन्हें लाखों लोगों का दीवाना बना दिया है। उनकी हालिया फिल्म 'मिसेज़' ने एक बार फिर उनकी अभिनय क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने सराहा। यह अवॉर्ड, जो जनता द्वारा चुना गया है, उनके और उनके फैंस के बीच के खास रिश्ते को दर्शाता है, और उनके ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन जुड़ाव को भी सम्मानित करता है। इस खास सम्मान के साथ सान्या की सफलता की कहानी जारी है। 'ठग लाइफ' के गाने जिंगुचा में उनकी उपस्थिति ने खूब सुर्खियाँ बटोरी हैं और फैंस से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। वहीं आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और अनुराग कश्यप तथा बॉबी देओल के साथ एक बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट उनके उज्ज्वल भविष्य की झलक दे रहे हैं। सान्या अब एक ऐसे दौर में हैं, जहां उनका हर किरदार उसी जुनून, गहराई और लगन से सजा हैजैसे इस खास रात में देखने को मिला।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में शनिवार को तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई नेपद्मभूषण संगीतज्ञ इल्लाईराजा से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा 'मैं इसे बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूँ कि मुझे कोयंबटूर में हमारे संगीत गुरु पद्म विभूषण श्री इलियाराजा से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला। हम अपने जीवन का हर पल संगीत गुरु के संगीत के साथ बिताते हैं। इससे ज़्यादा खुशी की बात और क्या हो सकती है कि उनका संगीत हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अद्भुत औषधि बना रहेगा?'

बुरी तरह हताशा के चलते द्रमुक फैला रही है गलत जानकारियां : एएनएस प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक बयान में कहा कि द्रमुक सरकार इन दिनों काफी हताशा से भरी हुई है। जब से प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा के मजबूत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसमें एडप्पादी पलानीस्वामी तमिलनाडु में गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं जिससे द्रमुक में काफी हताशा है। हताशा, ईर्ष्या और गुस्से से भरे मुख्यमंत्री स्टालिन और द्रमुक सांसद कनिमोझी लोगों को धोखा देने और हेरफेर करने के लिए जनगणना और परिसीमन के बारे में कहानियां गढ़ रहे हैं। उनकी वंशवादी राजनीति और नाटकीयता जल्द ही लोगों के फैसले का सामना करेगी, जो उनके शासन का अंत होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्टालिन और डीएमके सांसद कनिमोझी को जनगणना और परिसीमन जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार के खिलाफ निराधार आरोप लगाने से बचना चाहिए, जो राजनीतिक अवसरवाद की बू आती है। इसके बजाय, उन्हें तमिलनाडु सरकार के भीतर प्रशासनिक शिथिलता को सुधारने और नागरिकों को प्रभावी शासन देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। तमिलनाडु के लोग इससे बेहतर के हकदार हैं। डीएमके सरकार की नीतियों ने राज्य को उथल-पुथल में डाल दिया है,

अपराध बढ़ रहे हैं, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है। इन ज्वलंत मुद्दों को संबोधित करने के बजाय, डीएमके अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए गलत सूचना फैला रही है।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के स्पष्ट रुख को देखते हुए केंद्र सरकार को बदनाम करने की उनकी कोशिशें नाकाम हो जाएंगी। डीएमके सरकार का आचरण गंभीर संवैधानिक चिंताएं पैदा करता है, जिसमें केंद्र सरकार के खिलाफ गलत जानकारी फैलाना और दुर्भावनापूर्ण प्रचार करना असंवैधानिक और गैरकानूनी है। कनिमोझी द्वारा एडप्पादी पलानीस्वामी के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार प्रतीत होते हैं और उनके पास ठोस सबूत नहीं हैं। तमिलनाडु में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए पलानीस्वामी द्वारा मौजूदा सरकार के भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति की आलोचना उचित प्रतीत होती है। कनिमोझी द्वारा पलानीस्वामी के खिलाफ लगाए गए विश्वासघात के आरोप निराधार हैं और ऐसा लगता है कि ये राज्य को परेशान करने वाले वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए किए गए हैं। परिसीमन पर डीएमके का रुख राज्य के हितों के प्रति वास्तविक चिंता के बजाय राजनीतिक अवसरवाद से प्रेरित प्रतीत होता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन प्रक्रिया के दौरान किसी भी राज्य के अधिकारों से समझौता नहीं किया जाएगा। इस स्पष्टीकरण से तमिलनाडु पर संभावित प्रभाव के बारे में चिंता कम होनी चाहिए। अमित शाह के स्पष्टीकरण के बावजूद मुख्यमंत्री स्टालिन द्वारा परिसीमन के बारे में गलत सूचना का लगातार प्रचार चिंताजनक है। ऐसा लगता है कि यह जनता में भ्रम पैदा करने और उन्हें गुमराह करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। तमिलनाडु के लोग सटीक जानकारी और पारदर्शी शासन के हकदार हैं। राजनेताओं को पक्षपातपूर्ण हितों से ज़्यादा राज्य के कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

वीओजी महिला भजन मंडली द्वारा रोज मिल्क एवं आम का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कुरुकपेट स्थित विद्यासागर ओसवाल गार्डन में वीओजी महिला भजन मंडली द्वारा निर्जला व्रत एकादशी के अवसर पर पांच सौ से अधिक राहगीरों को रोज मिल्क एवं आम का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य आयोजक सुनीता अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन पिछले कई वर्षों से भजन मंडली द्वारा किया जा रहा है। भजन मंडली से जुड़ी महिलाएं प्रति सप्ताह सोसायटी मंदिर में एकत्रित होकर परिवार की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए पूजा एवं हवन करती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुदेश कंसल, सोनू गोयल, सुनीता सिंघल, चारु अग्रवाल, बीना मिश्रा, मधु पारिक, पिस्ता सोलंकी, प्रेमा चांडक, जमुना अग्रवाल, शिव देवी, शांति देवी सहित अनेक महिलाओं का योगदान रहा।

त्यौहार पर तिरुचेंदूर के लिए विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तिरुचेंदूर स्थित श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में वैकासी विसगम महोत्सव के अवसर पर 9 जून को तिरुनेलवेली और तिरुचेंदूर के बीच दो जोड़ी अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। ट्रेन में 1 एसी टू टियर कोच, 2 एसी थ्री टियर कोच, 9 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच और दो लगेज कम ब्रेक वैन वाली ट्रेन संख्या 06101 9 जून को तिरुनेलवेली से 09.15 बजे रवाना होगी और उसी दिन 10.50 बजे तिरुनेलवेली पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06102 जो 9 जून को तिरुनेलवेली से 11.20 बजे रवाना होगी और उसी दिन 12.55 बजे तिरुनेलवेली पहुंचेगी।

10 सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच और दो लगेज सह ब्रेक वैन वाली ट्रेन संख्या 06103 जो 9 जून को 21.00 बजे तिरुनेलवेली से रवाना होगी और उसी दिन 22.30 बजे तिरुनेलवेली पहुँचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 06104 जो 9 जून को 23.00 बजे तिरुनेलवेली से रवाना होगी और 10 जून 2025 को 00.30 बजे तिरुनेलवेली पहुँचेगी। ये ट्रेनें दोनों दिशाओं में पलायमकोट्टई, सेयदुंगनल्लूर, श्रीवैकुंठम, नाज़रेथ और अलवर तिरुनगरी रेलवे स्टेशनों पर रुकेंगी ।

विधानसभा चुनाव की तैयारी और रणनीति तय करने के लिए शाह तमिलनाडु का दौरा करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आगामी तमिलनाडु यात्रा का उद्देश्य राज्य में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करना और चुनावी रणनीति तैयार करना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने संवाददाताओं से कहा कि शाह आठ जून को मदुरै में रहेंगे। उन्होंने बताया कि उनके साथ (सौंदरराजन) कई नेता मदुरै जा रहे हैं।

उन्होंने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी डर रही है कि भाजपा तमिलनाडु में और अधिक मजबूत होकर आगे बढ़ेगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, आठ जून को अमित शाह सबसे पहले मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर में दर्शन

करेंगे। इसके बाद वह पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे, चुनावी तैयारियों पर चर्चा करेंगे और विभिन्न हितधारकों के साथ बैठकें करेंगे।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शाह की यात्रा हमारे कार्यकर्ताओं के लिए मनोबल बढ़ाने वाला एक बड़ा कदम होगी। वह मंडल, जिला और राज्य स्तर के पदाधिकारियों से मिलेंगे और वर्ष 2026 में तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करेंगे। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव अप्रैल-मई 2026 में होने हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या शाह की यात्रा के दौरान पीएमके (पट्टाली मक्कल काची) के साथ गठबंधन को लेकर कोई निर्णय होगा, नारायणन ने कहा कि इस यात्रा का उससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, शाह पार्टी के मंडल स्तर तक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। उनका यह दौरा पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से संबंधित है।

भाजपा के प्रदेश महासचिव रामा श्रीनिवासन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तमिल न्यूज चैनल को दिया गया एक वीडियो संदेश साझा किया और वीडियो में कहा कि शाह की यात्रा के पीछे का संदेश यह है कि आठ जून से द्रमुक शासन की उलटी गिनती शुरू हो रही है और यही कारण है कि सत्तारूढ़ पार्टी इस दौरे से घबरा रही है।

शाह ने 11 अप्रैल 2025 को तमिलनाडु दौरे के दौरान भाजपा और अन्नाद्रमुक के बीच फिर गठबंधन की घोषणा की थी।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु की अनुकम्पा समिति द्वारा रायपुरम के एमसी रोड स्थित मोनेगार चौल्ट्री वृद्धाश्रम में केएस रांका जैन फाउंडेशन के संस्थापक सुभाषचंद रांका परिवार के आर्थिक सहयोग से वृद्धावस्था में सभी बेघरों को ईश्वर की प्रार्थना के पश्चात मिठाई के साथ दोपहर का भोजन परोसा गया। समिति चेयरमैन अजित कुमार चौरडिया, को-चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, ललित रांका, कन्वेनर हनुमान सुखलेचा, रतन कटारिया व स्टॉफ मोहन आदि सदस्य उपस्थित थे।

तमिलनाडु हिन्दी साहित्य अकादमी के वार्षिकोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक 11 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी का इस वर्ष वार्षिकोत्सव गुरु नानक महाविद्यालय के साथ मिलकर संयुक्त तत्वावधान में आयोजित करना प्रस्तावित है। इस संबंध में एक विशेष बैठक का आयोजन 11 जून को दोपहर 3 बजे से गुरु नानक महाविद्यालय के परिसर में रखी गई है।

बैठक में वार्षिकोत्सव संबंधी तैयारियों पर विचारविमर्श किया जाएगा। इसकी अध्यक्षता अकादमी की अध्यक्ष प्रो डॉ निर्मला मौर्य करेंगी और विशेष मार्गदर्शन गुरु नानक महाविद्यालय की डीन और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉक्टर स्वाति पालीवाल का रहेगा।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने स्वीकार किया

शंकर और जयराम का सचिव और कोषाध्यक्ष पद से इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष रघुराम भट्ट ने शनिवार को प्रबंधन समिति को भंग करने से इनकार करते हुए शनिवार को यहां कहा कि संचालन संस्था के सचिव ए शंकर और कोषाध्यक्ष ईएस जयराम का इस्तीफा एक आपातकालीन बैठक में स्वीकार कर लिया गया। यह आपातकालीन बैठक दो वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा केएससीए अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपने-अपने पदों से इस्तीफा देने के बाद बुलाई गई थी। इन दोनों ने आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के विजय समारोह के दौरान मची भगदड़ की नैतिक जिम्मेदारी ली है। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 56 लोग घायल हुए है।

भट्ट ने बैठक के बाद कहा, ''मैंने प्रबंधन समिति की आपातकालीन बैठक बुलाई थी क्योंकि हमारे दो सदस्यों (सचिव और कोषाध्यक्ष) ने नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने समिति के समक्ष अपना त्यागपत्र रखा जिसे पिछले ढाई वर्षों में उनके द्वारा किए गए कार्यों को मान्यता देते हुए स्वीकार कर लिया गया।'' भट्ट ने अंतरिम सचिव और कोषाध्यक्ष के नामों का खुलासा नहीं किया लेकिन एम.एस. विनय और मंजूनाथ राजू इस पद के लिए सबसे आगे हैं। मौजूदा प्रबंधन समिति का आधिकारिक कार्यकाल 31 सितंबर को समाप्त होगा और राज्य संघ के चुनाव अक्टूबर या नवंबर में होने हैं।

भारत के इस पूर्व वामहस्त स्पिनर ने कहा कि वह इस मामले पर ज्यादा बात नहीं कर सकते क्योंकि यह मामला अदालत में है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन समिति की बैठक बुलाने का उद्देश्य वर्तमान बाधा के बावजूद खेल का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा, ऐसा कुछ नहीं हुआ (प्रबंधन समिति का भंग होना)। हम आज मिले क्योंकि खेल जारी रहना चाहिए और इसी कारण आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। बाकी सब फिलहाल ठीक है।

राज्य के कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने दिन भर क्रिकेट संघ के कार्यालय का दौरा किया और भट ने कहा कि यह चल रही प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने किसी भी तरह की जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा, ''हमने पहले ही सरकार और माननीय उच्च न्यायालय को बता दिया है कि हम जांच में सहयोग करेंगे। हम कभी किसी भी चीज से पीछे नहीं हटेंगे, जो कुछ भी है, हम जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं।'' शंकर और जयराम ने इससे पहले एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने गुरुवार रात केएससीए अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बयान में कहा गया है, पिछले दो दिनों में घटित अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारण हम यह बताना चाहते हैं कि हमने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव और कोषाध्यक्ष के रूप में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। भले ही इसमें हमारी भूमिका बहुत सीमित थी।

केएससीए ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में कहा था कि गेट प्रबंधन और भीड़ प्रबंधन उनकी जिम्मेदारी नहीं है और उन्होंने विधान सौध में समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। विधान सौधा में सम्मान समारोह बिना किसी बड़ी गड़बड़ी के संपन्न हो गया, लेकिन एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी।

जर्मनी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता के साथ खड़ा है : जर्मन विदेश मंत्री

बर्लिन/भाषा। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल से कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में यह यूरोपीय देश अपना मजबूत समर्थन दोहराता है और एकजुटता के साथ खड़ा है।

वेडफुल ने पाकिस्तान की परमाणु धमकी के आगे न झुकने के नई दिल्ली के संकल्प को भी रेखांकित किया।

यूरोपीय देश के दौरे पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकवादी हमले के आलोक में जर्मन राजनीतिक और कूटनीतिक नेतृत्व को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के भारत के रुख से अवगत कराया। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार शाम को मंत्री वेडफुल से मुलाकात की।

भारतीय दूतावास ने यहां 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, ''विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हालिया बैठक के बाद वेडफुल ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को जर्मनी का मजबूत समर्थन होने और एकजुटता के साथ खड़े होने की बात दोहराई।'' इसमें कहा गया कि दोनों पक्षों ने बहुआयामी भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत एवं प्रगाढ़ बनाने के तरीकों पर चर्चा की तथा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के बाद प्रसाद ने 'एक्स' पर कहा, ''हमने लोकतंत्र, मानवता और मानवाधिकारों के प्रति आतंकवाद के खतरे को रेखांकित किया तथा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर गंभीर चिंता व्यक्त की। सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता बताते हुए, हमने इस बात पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक देशों को इस खतरे का मुकाबला करने के लिए एकजुट होना चाहिए।''

जीरो से हीरो बनने के लिए जीवन में समता, सहिष्णुता और धैर्य जरूरी : साध्वीश्री सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन द्वारा निर्देशित तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा प्रेक्षा प्रवाह शक्ति एवं शांति के अंतर्गत अर्हम में जीरो से हीरो बनने की कला' कार्यशाला साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष रिजू डूंगरवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमें हमेशा पोजिटिव रहना चाहिए तथा हर परिस्थिति में समभाव में रहना चाहिए, तभी हम जीरो से हीरो बन पाएंगे।

साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि जीरो से हीरो बनने के लिए, कंकर से शंकर बनने के लिए पाषाण से मूर्ति बनने के लिए, चैतन्य से चिन्मय बनने के लिए जरूरी है जीवन में समता, सहिष्णुता और धैर्य को अपनाया जाए। साध्वी डॉ सर्वयशाजी ने कहा कि जीरो से हीरो बनने के लिए सतत पुरुषार्थ की आवश्यकता है, फिर चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो ।

साध्वीश्री ऋषिप्रभाजी ने पंचसूत्र आयाम सहन करो, सफल बनो, श्रम करो, सफल बनो, सेवा करो-सफल बनो और स्वभाव बदलो-पवित्र बनो को अपना कर कोई भी सफल बन सकता है तथा जीवन में कामयाबी हासिल कर सकता है। साध्वीश्री ने अर्हंम की ध्वनि, श्वास प्रेक्षा और ज्योति केन्द्र प्रेक्षा का ध्यान करवाया। बबिता कोठारी ने धन्यवाद दिया।

रूस ने अंतरिक्ष स्टेशन से यान प्रक्षेपित करने संबंधी तकनीक का पेटेंट कराया

मॉस्को/भाषा। रूस ने अंतरिक्ष स्टेशन से स्वचालित यान प्रक्षेपित करने की तकनीक का पेटेंट कराया है। यह स्टेशन दुनिया का ऐसा पहला ड्रोन प्लेटफार्म होगा जिसके रखरखाव के लिए रोबोट का इस्तेमाल होगा। इस तकनीक का परीक्षण रूसी ऑर्बिटल स्टेशन (आरओएस) में करने की योजना है तथा बाद में इसका प्रयोग चंद्रमा के अन्वेषण में किया जायेगा। रूस के पहले उपप्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने यहां एक बैठक में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि 2030 तक रूस को अपने खुद के अंतरिक्ष स्टेशन के लिए मॉड्यूल-दर-मॉड्यूल योजनाबद्ध बदलाव करना सुनिश्चित करना होगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.